कोटद्वार, गुरूवार
29 मई 2025
वर्षः 47
अंकः 37 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

उत्तराखंड में साढ़े तीन लाख कर्मचारी, पेंशनर्स को बड़ी राहत

देहरादून।राज्य के सरकारी कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके आश्रितों के कैशलेस इलाज की बाधा दूर हो गई है। कैबिनेट ने अस्पतालों का बकाया चुकाने के लिए राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण को 75 करोड़ देने पर मुहर लगा दी है। इससे लाखों कर्मचारी और पेंशनर्स को बड़ी राहत मिल गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में कैबिनेट की बैठक हुई जिसमें विभिन्न विभागों के कुल 11 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। सचिव गोपन शैलेश बगोली ने सचिवालय मीडिया सेंटर में मीडिया ब्रीफिंग करते हुए बताया कि कैबिनेट ने गोल्डन कार्ड योजना के संचालन में आ रही दिक्कतों को दूर करने व अस्पतालों का बकाया चुकाने के लिए राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण को 75 करोड़ रुपए लोन के रूप में देने की सहमति दे दी है। उन्होंने कहा कि इस राशि से अस्पतालों का बकाया चुकाया जाएगा जिससे अस्पतालों में गोल्डन कार्ड के तहत इलाज सामान्य रूप से किया जा सकेगा। प्राधिकरण को यह राशि लोन के रूप में दी जाएगी जिसे वह बाद में सरकार को चुकाएगा। -- प्राइवेट अस्पतालों में फिर मिलने लगेगा इलाज गोल्डन कार्ड योजना में बकाया बढ़ने की वजह से राज्य व राज्य के बाहर के कई प्राइवेट अस्पतालों ने मरीजों का इलाज करना बंद कर दिया था। इस वजह से कर्मचारियों ने भारी नाराजगी थी। कर्मचारी संगठन लगातार सरकार से योजना को ठीक से संचालित करने की मांग कर रहे थे। अब कैबिनेट के इस फैसले से हिमालयन हॉस्पीटल, महंग इंद्रेश अस्पताल, ग्राफिक ऐरा अस्पताल, कैलाश आदि अस्पतालों में इलाज मिलना शुरू हो जाएगा।

सिडकुल में महिला से चेन लूटी, शिवालिक नगर में लूट का प्रयास

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में महिला से तमंचे के बल पर सोने की चेन लूटकर फरार बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दूसरी ओर शिवालिक नगर में महिला से चेन लूट के प्रयास में भी केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक घटना 20 मई की है, जब मुकुल अपने पत्नी और बच्चों के साथ शिवालिक नगर से अपने घर हाइडिल कॉलोनी सिडकुल जा रहे थे। किर्बी फेक्ट्री के सामने पहुंचे तो स्कूटी के आगे मोटरसाईकिल लगाकर उन्हें रोक लिया। आरोप है कि तमंचा दिखाकर पत्नि की गले से सोने की चेन छिनकर भाग गए। इस घटना में महिला के गले में खरोंचे भी लगी हैं।

पीड़ति ने बताया कि वह अपनी पत्नी का इलाज कराने और सीसीटीवी फुटेज देखने में व्यस्त था। इसलिए देरी से रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को बताया कि आरोपियों के पास स्प्लेंडर बाइक थी, जिसका रंग काला था और उस पर नंबर प्लेट नहीं थी। पीछे बैठे व्यक्ति ने महरून रंग के कपड़े पहने थे और बाइक चालक ने सफेद रंग के कपड़े पहने थे।

शादी में शामिल होने जा रहे युवकों की बाइक पेड़ से टकराई, दो की मौत

हल्द्वानी। रामनगर से शादी समारोह में शामिल होने के लिए काठगोदाम की ओर जा रहे दो युवकों की बाइक मंगलवार आधी रात नैनीताल रोड पर अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं। हादसे के कारणों का पुलिस पता लगा रही है। पुलिस के मुताबिक पटकोट, रामनगर निवासी 25 वर्षीय रोहित कुमार और रतखाल, अल्मोड़ा निवासी 19 वर्षीय विवेक आर्या काठगोदाम में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मंगलवार आधी रात बाइक से आ रहे थे। नैनीताल रोड पर पॉलीशीट के आसपास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पीपल के पेड़ से जा टकराई। हादसे में रोहित और विवेक गंभीर रूप से घायल हो गए। हाईवे से गुजर रहे एक वाहन चालक ने हादसे की सूचना 112 नंबर पर दी। भोटिया पड़ाव पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को एसटीएच पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान दोनों युवकों की मौत हो गई।

कैबिनेट बैठक द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। देहरादून स्थित सचिवालय में बुधवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में कई प्रस्ताव आए, जिनमें से कुछ प्रस्तावों पर मंत्रियों ने अपनी मंजूरी लगा दी।

1– उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमैन्ट) नियमावली, 2024 के प्रख्यापन के संबंध में निर्णय।

वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना दिनांक 14 जुलाई, 2017 के द्वारा राज्य में अवस्थापना एवं सेवा परियोजनाओं के लिए सामग्री, निर्माण कार्य, सेवाओं की अधिप्राप्ति और लोक निजी सहभागिता की व्यवस्था करने के प्रयोजन और उनसे सम्बन्धित या अनुषांगिक विषयों के विनियमन के लिए उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 प्रख्यापित की गई है।

भारत सरकार द्वारा अपने अधीनस्थ कार्यालय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं यथा–विश्व बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक आदि द्वारा पोषित योजनाओं में सामग्री, निर्माण, सेवाओं एवं कन्सल्टेन्ट आदि के प्रोक्योरमेंट के सम्बन्ध में समय–समय पर 'सामान्य वित्तीय नियम–2017' में संशोधन किये गये हैं। इसी क्रम में राज्य की भौगोलिक परिस्थिति तथा व्यवहारिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 में संशोधन की आवश्यकता पाये जाने के दृष्टिगत अधिप्राप्ति के ढांचे एवं पारदर्शिता को मजबूत किये जाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमैन्ट) नियमावली, 2024 को प्रख्यापित किये जाने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के द्वारा उत्तराखंड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेंट) नियमावली में संशोधन का अनुमोदन करते हुए राज्य के स्थानीय निवासियों के सशक्तिकरण और उनके रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के लिए विभिन्न विभागों में रू 10 करोड़ तक की लागत के कार्य स्थानीय व्यक्तियों या स्थानीय पंजीकृत फर्मों के माध्यम से ही कराए जाने का निर्णय लिया गया है। अभी तक स्थानीय लोगों के लिए यह सीमा रू 05 करोड़ तक थी। इसके साथ ही राज्य के विभागों में विभिन्न श्रेणियों में पंजीकृत ठेकेदारों के लिए कार्य की सीमा को भी बढाने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के द्वारा स्वयं सहायता समूहों एवं एमएसएमई को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय उत्पादों को बढावा देने के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूहों एवं एवं एमएसएमई को क्रय वरीयता प्रदान करने के लिए भी नीति का अनुमोदन प्रदान किया गया है। स्वयं सहायता समूहों के लिए पहले इस तरह की कोई विशेष व्यवस्था नही थी। अभी तक स्थानीय स्तर पर स्वयं सहायता समूहों को रू 05 लाख तक की लागत के कार्य दिए जा सकते थे। क्रय वरीयता की नीति लागू होने से राज्य के सरकारी विभागों की निविदा प्रक्रिया में स्वयं सहायता समूहों एवं एमएसएमई को न्यूनतम दर की निविदा से 10 प्रतिशत की सीमा तक क्रय वरीयता मिलेगी। निविदा प्रक्रिया में अर्नेस्ट मनी को भौतिक रूप में जमा किये जाने की व्यवस्था को समाप्त कर

अब निविदाओं के साथ ऑनलाईन प्रक्रिया से ई.बी.जी. (इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी) लिए जाने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के द्वारा प्रोक्योरमेंटी में संबंध में शिकायतों के निस्तारण के लिए आईएफएमएस पोर्टल पर ग्रीवांस रिड्रेसल यूटिलिटी को भी संचालित किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

2– उत्तराखण्ड मेगा इण्डस्ट्रियल एवं इन्वेस्टमेंट नीति–2025 (मेगा पॉलिसी–2025) के प्राख्यापन के सम्बन्ध में कैबिनेट द्वारा लिया गया निर्णय।

राज्य में वृहत उद्यमों हेतु वर्तमान में लागू मेगा इण्डस्ट्रियल एवं इन्वेस्टमेंट नीति–2021 के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के उपादान हेतु बार–बार आवेदन की जटिल प्रक्रिया एवं उक्त नीति दिनांक 30 जून, 2025 को समाप्त होने तथा केन्द्र सरकार द्वारा राज्य के लिये लागू औद्योगिक विकास योजना –2017 के वर्ष 2022 में समाप्त होने के कारण वृहत उद्यमों हेतु पूंजीगत उपादान की अन–उपलब्धता के दृष्टिगत पूर्व नीति में प्रावधानित सभी प्रकार के उपादानों को सम्मिलित कर पूंजीगत उपादान का प्रावधान करते हुये उत्तराखण्ड मेगा इण्डस्ट्रियल एवं इन्वेस्टमेंट नीति–2025 (मेगा पॉलिसी–2025) प्रस्तावित की गयी है। इस योजना का उद्देश्य उत्तराखण्ड को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूंजी निवेश हेतु प्रतिस्पर्धी गंतव्य के रूप में स्थापित करने तथा वृहत श्रेणी के विनिर्माणक उद्यम में पूंजी निवेश के लिये अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करते हुये राज्य का आर्थिक विकास एवं अतिरिक्त रोजगार अवसरों का सृजन करना है। यह नीति जारी होने की तिथि से प्रभावी होकर आगामी 5 वर्ष तक प्रवृत्त रहेगी। उक्त अवधि में सिंगल विण्डो पोर्टल पर कैफ (सी.ए.एफ) आवेदन करते हुये, नीति के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने का आशय व्यक्त करने वाली इकाईयों को, वृहत उद्यम निवेश श्रेणी के अनुरूप अनुमन्यतानुसार वित्तीय प्रोत्साहन का लाभ देय होगा।

इस नीति के अंतर्गत स्थायी पूंजी निवेश (भूमि को छोड़कर) के आधार पर वृहत उद्यमों को 04 श्रेणी – लार्ज (रू 50 करोड़ से अधिक, रू 200 करोड़ तक), अल्ट्रा लार्ज (रू 200 करोड़ से अधिक, रू 500 करोड़ तक), मेगा (रू 500 करोड़ से अधिक, रू 1000 करोड़ तक) तथा अल्ट्रा मेगा (रू 1000 करोड़ से अधिक) के अंतर्गत वर्गीकृत करते हुये इनके लिये क्रमशः 50, 150, 300 तथा 500 न्यूनतम स्थायी रोजगार की सीमा निर्धारित की गयी है। उक्त निवेश के लिये कैफ आवेदन की तिथि से 3 से 07 वर्ष की समय–सीमा निर्धारित की गयी है।

इस नीति के अंतर्गत स्थापित होने वाले उद्यमों द्वारा भूमि क्रय विलेख/ लीज डीड के निष्पादन पर देय स्टॉम्प ड्यूटी में 50 प्रतिशत (अधिकतम रू. 50 लाख) की प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है।

इस नीति के अंतर्गत लार्ज, अल्ट्रा लार्ज, मेगा, अल्ट्रा मेगा निवेश श्रेणी के वृहत उद्यमों को स्थायी पूंजी निवेश के सापेक्ष क्रमशः 10 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 15 प्रतिशत तथा 20 प्रतिशत के पूंजीगत उपादान का प्रावधान किया गया है, जो क्रमशः 08, 10, 12 तथा 15 वर्षों में उद्यमों को वाणिज्यिक उत्पादन में आने के उपरान्त वार्षिक किश्तों में देय होगा। पर्वतीय क्षेत्रों में वृहत उद्यमों की स्थापना के प्रोत्साहन हेतु इस नीति के अंतर्गत श्रेणी–ए व बी के जनपदों में क्रमशः 02 एवं 01 प्रतिशत का अतिरिक्त पूंजीगत उपादान प्रावधानित किया गया है।

3– उत्तराखण्ड विष (कब्जा और विक्रय) नियमावली, 2023 की अनुसूची में संशोधन किये जाने का कैबिनेट द्वारा लिया गया निर्णय। वर्तमान में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रख्यापित उत्तराखण्ड विष (कब्जा एवं विक्रय) नियमावली, 2023 की सूची में मिथाईल एल्कोहॉल को विष की श्रेणी में अधिसूचित नहीं किया गया है, जिस कारण मिथाईल अल्कोहॉल का प्रयोग करने वाली इकाईयों का निरीक्षण करने में कठिनाई होती है तथा इकाईयों का नवीनीकरण आसानी से हो जाता है। उल्लेखनीय है कि मिथाईल एल्कोहॉल एक रंगहीन, ज्वलनशील एवं जहरीला तरल रसायन है, जिसका 30 मिली० सेवन करने से व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है तथा इसके सेवन से अंधापन होना आम बात है।

बग्याली के समीप ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, चालक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विकासखंड एकेश्वर के अंतर्गत पीएमजीएसवाई श्रीनगर द्वारा निर्माणाधीन बेरीखाल डंडा मौंडादी बग्याली मोटर मार्ग पर इंटर कॉलेज बग्याली के समीप एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में ट्रक चालक की मौत हो गई।

घटना बुधवार सुबह की है। उक्त मार्ग पर डमरीकरण का कार्य चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पुश ढहने से ट्रक सौ मीटर गहरी खाई में गिर गया। जिसमें ट्रक चालक टिहरी गढ़वाल निवासी 25 वर्षीय बंटी की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची प्रशासन की टीम ने ट्रक को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण अधीन सड़क में खराब गुणवत्ता और कच्चे पुश्तों के कारण ट्रक खाई में गिर गया है। ग्राम प्रधान नाव कमलेश पसबोला ने आरोप लगाया कि ठेकेदार

द्वारा पुश्तों को कच्ची जमीन पर रखा गया है। जिस कारण सड़क अभी से धसने लगी हैं। वहीं अपुनू गौ मुल्क विकास के सचिव प्रवेंद्र सिंह ने कहा कि सड़क के डामरीकरण बेहद घटिया स्तर का है। ग्राम प्रधान रेडू हरेंद्र गुसाई ओर ग्राम प्रधान पातल प्रदीप सिंह ने कहा कि सड़क के निर्माण कार्य में बिछ रहा मिक्सचर मानकों के अनुसार नहीं है, जिससे सड़क अभी से उखाड़ जाएगी।

जागेश्वर में अतिक्रमण हटाने की तैयारी, 43 दुकानदारों को नोटिस

अल्मोड़ा। जागेश्वर कस्बे में लगातार बढ़ रही भीड़ और सड़क की संकीर्णता के चलते अतिक्रमण की समस्या विकराल होती जा रही है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को विभाग ने कस्बे में अतिक्रमण कर दुकानें और ठेले लगाने वाले 43 व्यापारियों को नोटिस जारी कर दो से तीन दिन के भीतर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग के अपर सहायक अभियंता फैजान मलिक ने बताया कि जीरो जोन से लेकर जागेश्वर मंदिर से आगे तक सड़क किनारे लगे ठेले और दुकानों के बाहर फैले सामान को चिन्हित किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि तय समय में अतिक्रमण नही हटाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को सड़क किनारे प्रसाद बेचने के लिए लगाई गई कुछ टेबलों को हटवा दिया गया। इससे पहले तहसीलदार भनोली बरखा जलाल ने स्थानीय व्यापारियों और मंदिर से जुड़े पुजारियों के साथ बैठक कर अतिक्रमण हटाने के मुद्दे पर चर्चा की, जिसमें सभी ने सहमति जताई। पुलिस, राजस्व विभाग और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम ने अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमाए। इधर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर फड़ व्यवसायियों में भारी नाराजगी है। कुछ व्यवसायियों ने प्रशासन पर पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए आत्महत्या की धमकी दी है। उनका कहना है कि यदि कार्रवाई में भेदभाव किया गया तो वे जीसीबी के सामने लेट जाएंगे और आत्महत्या के लिए बाध्य होंगे।

सरकार ने खरीफ की फसलों की एमएसपी 50 प्रतिशत बढ़ाई

मोदी सरकार के बड़े फैसले

नई दिल्ली , केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने बीते 10 साल में लगातार एमएसपी में बढ़ोतरी की है और हालिया फैसले से 7 करोड़ से अधिक किसानों को फायदा होगा। दालों में अरहर का समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि उड़द का एमएसपी 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का एमएसपी 86 रुपये बढ़ाकर 8768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। झ सरकार ने बुधवार को संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को 2025–26 के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी, जिसके तहत किसानों को केसीसी के माध्यम से 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 3 लाख रुपये तक का अल्पकालिक ऋण मिलता है, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में 3 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र होते हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से 4 प्रतिशत तक कम हो जाती है।

बदरीनाथ धाम की यात्रा पर निकले भगवान कार्तिक स्वामी

रुद्रप्रयाग। तल्लानागपुर पट्टी के शीर्ष ऋैंच पर्वत पर विराजमान देव सेनापति कुमार कार्तिकेय की प्रथम ऐतिहासिक बदरीनाथ यात्रा ऋैंच पर्वत से रवाना हो गई है। पहले दिन रात्रि प्रवास के लिए यात्रा चमोली पोखरी के निकटवर्ती गांव सतूड के कार्तिक स्वामी मन्दिर में पहुंच गई है। भगवान कार्तिक स्वामी की बदरीनाथ यात्रा में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। अनेक स्थानों पर लोगों द्वारा भगवान कार्तिक स्वामी की यात्रा का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया जा रहा है। जहां से होकर यात्रा निकल रही है वहां माहौल भक्तिमय बना हुआ है। भगवान कार्तिक स्वामी की बदरीनाथ यात्रा विभिन्न तीर्थ स्थलों का भ्रमण करते हुए आगामी दो जून को मोक्ष धाम भूवैकुण्ड बदरीनाथ धाम पहुंचेगी। जबकि चार जून को ऋैंच पर्वत तीर्थ पहुंचने पर भगवान कार्तिक स्वामी की यात्रा का समापन होगा। बुधवार को ऋैंच पर्वत तीर्थ पर ब्रह्म बेला पर आचार्य वासुदेव प्रसाद थपलियाल व

सुधीर नौटियाल ने पंचाग पूजन के साथ भगवान कार्तिक स्वामी सहित 33 कोटी देवी–देवताओं का आह्वान किया। भगवान कार्तिक स्वामी के प्रतीक चिन्हों सहित अनेक देवी–देवताओं के निशान का विशेष श्रृंगार कर आरती उतारी गई। भगवान कार्तिक स्वामी नर रूप में अवतरित हुए और बदरीनाथ धाम की यात्रा के निर्विघ्नन संपन होने का आशीर्वाद भक्तों को दिया। ठीक दस बजे भगवान कार्तिक स्वामी की आठ दिवसीय बदरीनाथ यात्रा ऋैंच पर्वत तीर्थ से रवाना हुई। स्कन्द नगरी पहुंचने पर पुजारी नन्दू पुरी ने आरती उतारकर यात्रा का स्वागत किया। भगवान कार्तिक स्वामी की बदरीनाथ यात्रा के कनकचौरी पहुंचने पर वहां पहले से ही मौजूद बड़ी संख्या में भक्तों ने यात्रा का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। कनकचौरी मे भगवान कार्तिक स्वामी सहित अनेक देवी देवताओं के निशाण यात्रा रथ में विराजमान करते हुए अगले पड़ाव की ओर प्रस्थान किया। भगवान कार्तिक स्वामी की यात्रा के मोहनखाल, पोखरी सहित विभिन्न पहाड़ी स्थानों पर पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। कार्तिकेय मन्दिर समिति के अध्यक्ष बिक्रम सिंह नेगी ने बताया कि भगवान कार्तिक स्वामी की ऐतिहासिक बदरीनाथ यात्रा के आयोजन से भक्तो मे भारी उत्साह बना हुआ है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल होकर विश्व समृद्धि व जगत कल्याण की कामना कर रहे है। प्रबन्धक पूर्ण सिंह नेगी ने बताया कि क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। हर गांव के ग्रामीणों में उत्साह है।

ज्वालापुर के अहबाबनगर में नकली आयुर्वेदिक दवाएं बनाने का भंडाफोड़

हरिद्वार। आयुर्वेद विभाग और ज्वालापुर पुलिस की कार्रवाई में बुधवार को नकली आयुर्वेदिक दवाओं के बड़े कारोबार का खुलासा हुआ।

ज्वालापुर के मोहल्ला अहबाबनगर में बिना लाइसेंस चल रही अवैध फैक्ट्री पर छापा मारकर भारी मात्रा में नकली दवाएं, कच्चा माल और पैकिंग सामग्री बरामद की गई।

मौके से आरोपी फिरोज अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि शरीफी हर्बल के नाम का दुरुपयोग कर नकली आयुर्वेदिक दवाएं बनाए जाने की शिकायत जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. स्वास्तिक सुरेश के पास पहुंची थी। इस पर कार्रवाई करते हुए औषधि निरीक्षक और ज्वालापुर कोतवाली पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से मोहल्ला अहबाबनगर स्थित मकान पर छापेमारी की।

देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री, जमकर हो रही बारिश

कई राज्यों में भारी वर्षा का अलर्ट

नई दिल्ली , जिस मानसून का इंतजार था उसकी एंट्री हो गई है और लोगों को गर्मी से राहत मिलती दिख रही है। देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। आज छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बारिश शुरू हुई। छत्तीसगढ़ में मई में होने वाली सामान्य बारिश से करीब 6 गुना ज्यादा है। सामान्य तौर पर मई में 430 से 450 तक ही बरसात होती है। महाराष्ट्र में मानसून की दस्तक के साथ ही कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, मई महीने में अहिल्या नगर में लोगों को घरों से रेस्क्यू किया गया।मौसम विभाग ने वर्ष 2025 में औसत से 106 अधिक बारिश का अनुमान जताया है। जून महीने में 108 बारिश हो सकती है। मुंबई में बुधवार को जमकर बारिश हो रही है। ठाणे भी तेज बारिश जारी है। इधर, जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर में तेज बारिश हुई। केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 30 मई तक भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है। इन राज्यों में कुछ स्थानों पर 50–70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएँ भी चल सकती हैं। खासकर तमिलनाडु और पुदुच्चेरी में 27 मई को अत्यधिक भारी वर्षा के साथ गरज–चमक और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है।

पीएम मोदी का तृणमूल सरकार पर हमला

कोलकाता/अलीपुरद्वार , पीएम नरेंद्र मोदी आज (गुरुवार) दो कार्यक्रमों के साथ अलीपुरद्वार आ रहे हैं। ऐसे में पीएम मोदी के इस 'अचानक बंगाल दौरे' को लेकर उत्तर बंगाल भाजपा में पहले से ही उत्साह है। सरकारी व अधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री सरकारी समारोह के दौरान अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में शहर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजना की आधारशिला रखेंगे। प्रदेश भाजपा के एक अन्य नेता ने बताया कि पीएम मोदी के सिक्किम से अपराह्न एक बजे के बाद पश्चिम बंगाल पहुंचने की उम्मीद है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार पीएम अलीपुरद्वार जिले में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। वहीं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने

कहा, "सबसे पहले पीएम सरकारी कार्यक्रम में शामिल होंगे और फिर अलीपुरद्वार में पार्टी की एक बैठक को संबोधित करेंगे। इसके बाद शाम को प्रधानमंत्री पटना के लिए रवाना होंगे। हम सभी उन्हें सुनने के लिए उत्साहित हैं।'ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनका पहला दौरा होगा।

मणिपुर में बीजेपी ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, राज्यपाल से मिले विधायक

इंफाल , मणिपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर यह है कि मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इन विधायकों में 8 भाजपा, हक्कक और निर्दलीय के एक–एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया कि इनके पास 22 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल से मिलने के बाद विधायक राधेश्याम ने कहा, 'हमारे पास 44 विधायकों का समर्थन है और सभी भाजपा विधायक जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। हम राज्यपाल से हमारे बहुमत पर विचार करने और त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। राज्यपाल से दावे की समीक्षा करने और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार निर्णय लेने की उम्मीद है। मंगलवार को मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला के साथ राज्य की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की और उनसे ग्वालताबी घटना को सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने का आग्रह किया।

कर्नल सोफिया मामला: मंत्री विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट से राहत

गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक बढ़ी

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में अभद्र टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह प्रकरण को लेकर सुनवाई की। कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक को आगे बढ़ा दिया है। इस बारे में वरिष्ठ अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने आईएएनएस से बातचीत में पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शीर्ष न्यायालय ने इस मामले में मुख्य रूप से दो अहम बिंदुओं पर निर्देश दिए। एक तरफ जहां कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई को बंद करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि वह खुद इस मामले की सुनवाई कर रहा है। ऐसी स्थिति में इस मामले का हाईकोर्ट में विचाराधीन रहना उचित नहीं है। दूसरी तरफ एसआईटी को इस मामले की जांच की स्टेटस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करने का आदेश दिया गया। अब इस मामले की सुनवाई जुलाई में होगी।

मंत्री विजय शाह ने महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान 'ऑपरेशन सिंदूरझ् को लेकर प्रेसवार्ता करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में अभद्र टिप्पणी की थी। उनके इस बयान पर खूब बवाल हुआ था। इसके अलावा, हाईकोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया। इसके बाद मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन उन्हें वहां भी फटकार लगी। कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित करने का आदेश दिया। इस समिति में प्रमोद वर्मा आईजी सागर जोन, कल्याण चक्रवर्ती डीआईजी एसएएफ और वाहिनी सिंह एसपी डिंडोरी को शामिल किया गया। कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज हुई थी। लेकिन, कोर्ट ने इस एफआईआर को नाकाफी बताते हुए दूसरी एफआईआर दर्ज करने को कहा। अपने बयान को लेकर आलोचनाओं में घिरने के बाद मंत्री ने कहा था कि वह कर्नल सोफिया कुरैशी का बहुत सम्मान करते हैं। वह अपनी बहन से ज्यादा कर्नल सोफिया कुरैशी को अपनी बहन मानते हैं। वहीं, कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दलों ने मंत्री से इस्तीफे की मांग की। उन्होंने यहां तक कहा कि मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार मंत्री शाह को कैबिनेट से बाहर का रास्ता दिखाए।

सम्पादकीय

दस करोड़ में स्थानीय भागीदारी

राज्य गठन के बाद से ही उत्तराखंड के विभिन्न सरकारी कार्यों को पूरा करने के लिए प्रदेश से बाहर की फर्म और कंपनियां सक्रिय रही है। यही नहीं अधिकांश बड़े टेंडर पर भी बाहरी लोगों का वर्चस्व है जो अपने धन बल का प्रयोग करते हुए उत्तराखंड के अधिकतम निर्माण कार्यों में कब्जा जमाए हुए हैं। राज्य गठन के समय यह अवधारणा रखी गई थी कि प्रदेश में होने वाले विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को भागीदारी दी जाएगी लेकिन स्थानीय लोग चंद छोटे–छोटे कार्यों तक ही सीमित रह गए और प्रदेश के बड़े टेंडर में बाहरी लोगों ने कब्जा जमा लिया। इधर बड़े प्रोजेक्ट को छोड़ दें तो राज्य सरकार ने अब स्थानीय लोगों के हितों को देखते हुए उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमैन्ट) नियमावली में संशोधन करते हुए राज्य में 10 करोड़ तक के कार्य अब राज्य के स्थानीय व्यक्तियों या स्थानीय पंजीकृत फर्मों के माध्यम से कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इसमें राज्य के स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे तथा उनकी आर्थिकी मजबूत होगी। इसे राज्य सरकार का एक अच्छा कदम माना जा सकता है लेकिन उत्तराखंड के टेंडर में गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे बाहरी राज्यों के ठेकेदार और कंपनियां इसका भी तोड़ नहीं निकाल लेंगे, इसकी कोई शत प्रतिशत गारंटी नहीं दी गई है। जैसे भू अध्यादेश के लिए स्थानीय लोगों को खरीदारी में शामिल कर भागीदार बनाया जा सकता है उसी प्रकार ऐसे स्थानीय ठेकेदार जिनके पास लाइसेंस तो है लेकिन काम का अभाव है ऐसे लोगों को अगरी कंपनियां एक निश्चित कमीशन देकर मोहरा बना सकती हैं। यहां सरकार और टेंडर जारी करने वाले विभागों को इस बात की पुष्टि करनी होगी की जो भी टेंडर स्थानीय लोगों के लिए छोड़े जा रहे हैं उन पर केवल और केवल स्थानीय लोग ही कार्य करें और भारी कंपनियों की कमीशन खोरी को रोका जा सके। राज्यों में बड़ी तादाद में बाहरी कंपनियों विभिन्न टेंडर लेकर कार्य कर रही है जिनमें बाहरी लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार दिया गया है, बावजूद इसके कि राज्य सरकार राज्य में लगने वाले उद्योग धंधों एवं बड़े प्रोजेक्ट टेंडर में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के अथक प्रयास करती आ रही है। स्थानीय फर्म एवं लोगों को प्रदेश में कार्य देना सरकार की एक अच्छी पहल है लेकिन यह तभी कामयाब होगी जब इसमें पारदर्शिता के साथ–साथ कड़ी निगरानी भी विभागीय अधिकारियों द्वारा रखी जाएगी, अन्यथा यह केवल एक ऐसी घोषणा होगी जो लागू तो स्थानीय लोगों पर होगी लेकिन इसका पूरा फायदा बाहरी कंपनियों उठाएंगी।

अरावली पहाड़ का उजड़ना चिंताजनक

रेत के बवंडर खेती और हरियाली वाले इलाकों तक न पहुंचें, इसके लिए सुरक्षा–परत या शील्ड का काम हरियाली और जल–धाराओं से संपन्न अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही है। इसरो का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ें जमा रहा है। सनद रहे कि राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान और उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है। खासकर गर्मी में यह धूल पूरे परिवेश में छा जाती है। मानवीय जीवन पर इसका दुष्परिणाम ठंड में दिखने वाले स्मोग से अधिक होता है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा है कि कई स्थानों पर पहाड़ की श्रृंखला की जगह गहरी खाई हो गई और इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि उपजाऊजमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है। गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू हो कर कोई 692 किमी. तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है, जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को कोई 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है, और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में गिना गया है। ऐसी महत्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उतूंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई।

पंकज चतुर्वेदी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बीते कुछ दिनों से गर्मी के साथ आकाश में छाए धूल के गुबार ने सांस के मरीजों के लिए जीवन का संकट खड़ा कर दिया है। हरियाणा के भिवानी में बवंडर ऐसा था कि दृश्यता 200 मीटर नहीं रह गई थी। रेत के तूफान ने राजस्थान के बीकानेर में भी लोगों को भयभीत किया वहां धूल ने सूरज को ढंक दिया और 455 डिग्री की गर्मी को घुटन में बदल दिया। कहने की जरूरत नहीं कि यह रेतीली आंधी पाकिस्तान से उठी थी। वैसे तो हर साल मानसून आने से पहले दिल्ली और उत्तर–पश्चिम भारत में ऐसे धूल भरे तूफान आना आम है। इस मौसम में सउद्दी अरब और कभी–कभी सहारा जैसे दूरदराज के इलाकों से उठने वाली धूल पश्चिमी हवाओं के जरिए यहां तक पहुंच जाती है। चिंता की बात यह है कि इस तरह के धूल भरे अंधड़ की संख्या और दायरा साल–दर–साल बढ़ता जा रहा है। समझना होगा कि यह सीधे–सीधे जलवायु परिवर्तन का प्रभाव है। 2015 के बाद से ऐसे अंधड़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। अंधड़ से जान–माल का नुकसान तो होता ही है, सार्वजनिक संपत्तियों को भी खासा नुकसान होता है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'अर्थ साइंस इंफोरमैटिक्सइ में प्रकाशित एक शोध में चेतावनी दी जा चुकी है कि अरावली पर्वतमाला में पहाड़ियों के गायब होने से राजस्थान में रेत के तूफान में वृद्धि हुई है।

भरतपुर, धौलपुर, जयपुर और चित्तौड़गढ़ जैसे स्थानों, जहां अरावली पर्वतमाला पर अवैध खनन, भूमि अतिक्रमण और हरियाली उजाड़ने की अधिक मार पड़ी है, को सामान्य से अधिक रेतीले तूफानों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर एल के शर्मा और पीएचडी स्कॉलर आलोक राज के अध्ययन 'असेसमेंट ऑफ लेंड यूज डायनामिक्स ऑफ द अरावली यूजिंग इंटीग्रेटेडइ में कहा गया है कि गांठ बांध लें कि दिल्ली, राजस्थान के गैर–मरु स्थलीय जिलों और हरियाणा का अस्तित्व अरावली पर टिका है, और अरावली को नुकसान का अर्थ है कि देश के अन्न के एक कटोरे पंजाब तक बालू के धोरों का विस्तार।

रेत के बवंडर खेती और हरियाली वाले इलाकों तक न पहुंचें, इसके लिए सुरक्षा–परत या शील्ड का काम हरियाली और जल–धाराओं से संपन्न अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही है। इसरो का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ें जमा रहा है। सनद रहे कि राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान और उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है। खासकर गर्मी में यह धूल पूरे परिवेश में छा जाती है। मानवीय जीवन पर इसका दुष्परिणाम ठंड में दिखने वाले स्मोग से अधिक होता है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा है कि कई स्थानों पर पहाड़ की श्रृंखला की जगह गहरी खाई हो गई और इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि उपजाऊजमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है। गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू हो कर कोई 692 किमी. तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है, जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को कोई 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है, और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में गिना गया है। ऐसी महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उतूंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई। असल में अरावली पहाड़ रेगिस्तान से चलने वाली आंधियों को रोकने का काम करते रहे हैं, जिससे एक तो मरूभूमि का विस्तार नहीं हुआ दूसरा इसकी हरियाली, साफ हवा और बरसात का कारण बनती रही।

एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में कई अन्य पहाड़ियों के अलावा, ऊरी अरावली पर्वतमाला की हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में कम और मध्य ऊंचाई की कम से कम 31 पहाड़ियां गायब हो गई हैं। ऊरी स्तर पर पहाड़ियों का गायब होना नरैना, कलवाड़, कोटपूतली, झालाना और सरिस्का में समुद्र तल से 200 मीटर से 600 मीटर की ऊंचाई पर दर्ज किया गया था। याद करें कोई तीन साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से पूछा था कि आखिर, कौन हनुमान जी ये पहाड़ियां उठा कर ले गए? 1975–2019 के दौरान किए गए एक अध्ययन में पता चला कि वन क्षेत्र में सघन बस्तियां बस जाना पहाड़ियों के गायब होने के प्रमुख कारणों में से एक था।

इस अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि 1975–2019 के बीच अरावली की 3676 वर्ग किमी. भूमि बंजर हो गई। ऐसे हालात में अंधड़ की मार का दायरा बढ़ेगा। अरावली पहाड़ का उजड़ना अर्थात वहां जंगल और जल निधियों के उजड़ने, दुर्लभ वनस्पतियों के लुप्त होने के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। तेंदुए, हिरण और चिंकारा भोजन के लिए मानव बस्तियों में प्रवेश करते हैं, और मानव–जानवर टकराव के वाकिये बढ़ रहे हैं। जान लें अंधड़ बढ़ने से भी जानवरों के बस्ती में घुसने की घटनाएं बढ़ती हैं। अवैध खनन और भूमि अतिक्रमण को कम करने के लिए उपाय किए जाने चाहिए और लगातार क्षेत्र की निगरानी की जानी चाहिए। अरावली को और अधिक नुकसान हुआ तो तेज अंधड़ की मार से दिल्ली भी नहीं बचेगी। चिंताजनक तथ्य है कि बीसवीं सदी के अंत में अरावली के 80 फीसद हिस्से पर हरियाली थी जो आज बमुश्किल सात फीसद रह गई। जाहिर है कि हरियाली खत्म हुई तो वन्य प्राणी, पहाड़ों की सरिताएं और छोटे झरने भी लुप्त हो गए।

सनद रहे अरावली रेगिस्तान की रेत को रोकने के अलावा मिट्टी क्षरण, भूजल का स्तर बनाए रखने और जमीन की नमी बरकरार रखने वाले जोहड़ों और नदियों को आसरा देती रही है। अरावली की प्राकृतिक संरचना नष्ट होने की ही त्रासदी है कि वहां से गुजरने वाली साहिबी, कृष्णावती, दोहन जैसी नदियां लुप्त हो रही हैं। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट की एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि जहां 1980 में अरावली क्षेत्र के महज 247 वर्ग किमी. क्षेत्र पर आबादी थी, आज यह 638 वर्ग किमी. पर रह गई है। साथ ही, इसके 47 वर्ग किमी. में कारखाने भी हैं।

आतंक की बर्बर हिंसक गतिविधियों से कई देश पीड़ित

अखिलेश आर्येन्दु

दुनिया में सबसे विकट, गंभीर और बर्बरता का पर्याय आतंकवाद वर्षो से मानवता का विध्वंसक बना हुआ है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इससे अत्यंत गंभीर समस्याएं पैदा हुई हैं।

अमेरिका, अफ्रीका, रूस, फ्रांस, जर्मन, जापान जैसे विकसित देश तो आतंक की बर्बर हिंसक गतिविधियों से पीड़ित हैं ही, तकरीबन सभी एशियाई मुल्क, जिनमें भारत सबसे ज्यादा प्रभावित है, भी इससे त्रस्त हैं।

भारत आंतरिक और विदेशी (बाह्य) आतंकवाद, दोनों से गंभीर रूप से पीड़ित है। भारत में आतंकवाद के कई कारण और रूप हैं, जिनमें राजनीतिक कारण सबसे अहम है, जिसमें अलगाववादी आंदोलन, जातीय संघष, सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और पड़ोसी देश द्वारा सीमा से आतंकवादियों की घुसपैठ करा कर आतंकवाद फैलाना शामिल हैं। धर्म या मजहब के नाम पर भी कट्टरपंथी सोच और हिंसा भी आतंकवाद का महत्त्वपूर्ण कारण है। वैचारिक मतभेद, हिंसा द्वारा विचारधारा को फैलाने के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल आम है। सामाजिक–आर्थिक असमानता भी आतंकवाद की वजह रही है जैसे नक्सलबाड़ी से जन्मा वामपंथी नक्सलवाद जो बाद में हथियारबंद तथाकथित आंदोलन बन गया।पिछले चार दशकों से भारत में अनेक दुर्दात आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। ग्यारह राज्यों में दशकों से वामपंथी नक्सलवाद हिंसक गतिविधियां चलाता रहा है, जिसमें हजारों लोग और पुलिस बल (सेना के जवान भी) शिकार हुए हैं। सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देने वाले और धर्म व मजहब के नाम पर हिंसा करने वाले अपनी बात जबरन मनवाने वाले संगठन भारत में अराजकता फैलाने का काम करते रहे हैं। कुछ राज्यों में आतंकवाद की वजह से उद्योग, पर्यटन और दूसरे तमाम क्षेत्रों में रोजगार में कमी आई है। इससे शासन और सरकार की स्थिरता पर भी गहरा असर रहा है साथ में, देश भर में अराजकता का माहौल पैदा करने की इनकी कोशिश जगजाहिर है।

यह देशों के बीच संघर्ष और तनाव पैदा करने का काम भी करता है। भारत में 2014 के पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल की सीमा से आतंकवादी घुसपैठ करते थे और बड़े पैमाने पर भारत में तकरीबन सभी राज्यों में बम विस्फोट और हिंसा की बर्बर घटनाएं आये दिन होती थीं, जिससे बड़ी तादाद में जान–माल का नुकसान होता था। कहना न होगा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद कानून व्यवस्था हर तरह से चाक–चौबंद की गई और आतंकवादी घटनाओं पर कुछ ही महीने में काबू पा लिया गया लेकिन जम्मू–कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों की घुसपैठ पूरी तरह खत्म नहीं हुई। इसी दौरान धारा 370 खत्म की गई और जम्मू–कश्मीर को पुनर्गठित कर तीन केंद्रशासित प्रदेशों कश्मीर, जम्मू और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया।

केंद्र सरकार के पिछले दस वर्ष आजादी के इतिहास में कई विकट समस्याओं के समाधान करने वाले रहे हैं। यह सरकार की नीतियों में आमूलचूल बदलाव से ही संभव हुआ है। विदेश नीति के मामले निर्गुट नीति की जगह 'सर्वगुटइ नीति को अपनाया गया। गौरतलब है कि 1947 से 2013 तक भारत की विदेश नीति निर्गुट, समझौतावादी और हिंसा का जवाब अहिंसा से देने की रही। यही वजह है कि पिछले चार दशकों से अधिक समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और घुसपैठ की घटनाएं भारत में लगातार जारी रहीं। पानी की तरह पैसा बहा कर भी धारा 370 के लागू रहने की वजह से केंद्र का यहां सीमित हस्तक्षेप था, जिसकी वजह से आतंकवाद लगातार फूलता–फलता रहा। जाहिर तौर पर पिछले कई दशकों से आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यूं तो भारत में आतंकवादी गतिविधियां 50 के दशक में ही बड़े पैमाने पर चालू हो गई थीं। विश्व भर में 1950 के दशक में हुए वामपंथ के उत्थान के बाद आतंकवादी गतिविधियां दुनिया के तमाम मुल्कों में देखी जाने लगी थीं जिनकी जद में यूरोप, अमेरिका, जापान, जर्मनी और भारत जैसे अनेक देश आए लेकिन भारत में आतंकवाद सबसे ज्यादा गंभीर, मुखर और बर्बर गतिविधियों के एक विस्तृत स्वरूप में जारी रहा है।

इसलिए 1967 में गैर–कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, बनाया गया। बाद में इस अधिनियम को संशोधित किया गया जिसमें संघीय सरकार को संगठनों और व्यक्तियों को 'आतंकवादी के रूप में नामित करने की शक्ति मिली है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (एनएसए) भी अत्यंत कारगर है जिसमें अधिनियम अधिकारियों को आतंकवादियों से ताल्लुक रखने वाले गुटों के सदस्यों को बिना किसी प्रदर्शन के घोषित अवधि के लिए हिरासत में रखने की अनुमति देता है। फिर पोटा कानून बनाया गया लेकिन 2002 में इसे निरस्त कर दिया गया।

किसान फिर सड़क पर

किसान संगठन ह्यदिल्ली चलोह्ल अभियान पर निकल पड़े हैं। इससे 2020 का नजारा फिर से सामने आ खड़ा हुआ है। तब आंदोलन से निपटने के सरकारी उपाय किसानों का हौसला तोडने में नाकाम रहे थे। क्या इस बार सरकार सफल होगी? किसान संगठनों की मांगों का ना सिर्फ वर्तमान सत्ताधारी पार्टी, बल्कि आज की पूरी पॉलिटकल इकॉनमी के साथ तीखा अंतर्विरोध है। इसलिए इसमें कोई हैरत की बात नही कि चंडीगढ़ में तीन केंद्रीय मंत्रियों की टीम के साथ इन संगठनों की बातचीत नाकाम हो गई। दोनों पक्षों में सहमति सिर्फ तभी बन सकती है, जब उनमें से कोई अपने बुनियादी प्रस्थान बिंदु से हटने को तैयार हो। सरकार तो संभवतः तब तक ऐसा नही करेगी, जब तक किसान अपने आंदोलन को इतना बड़ा ना बना दें, जिसका असर सत्ताधारी दल की चुनावी संभावनाओं पर महसूस होने लगे। दूसरी तरफ सरकार की मौजूदा नीतियों से किसान और कृषि अर्थव्यवस्था जिस तरह बदहाल हो रहे हैं, उसके बीच इन संगठनों के पास भी लंबी लड़ाई लडने के अलावा कोई और विकल्प नही बचा है। यही कारण है कि लगभग दो साल के अंतराल के बाद फिर एक बड़े किसान आंदोलन की शुरुआत हो गई है।

कई किसान संगठन मंगलवार को अपने ह्यदिल्ली चलोह्ल अभियान पर निकल पड़े हैं। इसके तहत हजारों किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर दिल्ली आने की तैयारी में हैं। इस बीच 16 फरवरी को किसान संगठन देश भर में ग्रामीण बंद का आयोजन करेंगे। उस रोज ट्रेड यूनियनें भी उनकी इस लड़ाई में शामिल होंगी। दस ट्रेड यूनियनों ने उस दिन हड़ताल पर जाने का एलान किया है। इस बीच दिल्ली प्रशासन ने किसानों को दिल्ली पहुंचने से रोकने के लिए कई उपाय किए हैं। दिल्ली की सभी सीमाओं पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती गई है। सडकों पर सीमेंट के बैरिकेड, कंटीली तारें और नुकीले उपकरणों को लगा दिया गया है। दिल्ली में एक महीने के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है, जिसके तहत किसी भी तरह का विरोध प्रदर्शन, जुलूस या यात्रा निकलना प्रतिबंधित कर दिया गया है। हरियाणा सरकार ने अलग से ऐसे उपाय किए हैं, जिससे किसानों को दिल्ली पहुंचने के पहले ही रोक दिया जाए। यानी 2020 का नजारा फिर से सामने आ खड़ा हुआ है। लेकिन तब ऐसे उपाय किसानों का हौसला तोडने में नाकाम रहे थे। क्या इस बार सरकार सफल होगी?

खेला की राजनीति

जब नीतीश कुमार ने खेला किया और तेजस्वी यादव ने उसका जवाबी खेला कर दिखाने का एलान किया, तो उसे हिकारत के साथ देखने के बजाय सारी इलीट चर्चा दोनों पक्षों की खेला कर सकने की क्षमता के आकलन पर टिक गई। क्या यह लोकतंत्र है? भारत की सियासी चर्चाओं में खेला शब्द संभवतः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की देन है। तब से मीडिया की चर्चाओं से आगे बढ़ते हुए अब राजनेताओं की जुबान पर भी यह छा गया है। समाज का प्रभु वर्ग भी इसमें खूब मज़ा लेने लगा है। इस शब्द में जो अवसरवाद और अनैतिकता शामिल है, उस पर ध्यान देने की जरूरत किसी को महसूस नही होती। यही वजह है कि राजनेताओं का अवसरवाद और अनैतिकता अब लोगों को उनका कौशल महसूस होने लगे हैं। इसकी होड़ में जो जीत जाए, उसे सिकंदर के रूप में देखा जाने लगता है। शायद इसीलिए बिहार में जब नीतीश कुमार ने खेला किया और तेजस्वी यादव ने उसका जवाबी खेला कर दिखाने का एलान किया, तो उसे हिकारत के साथ देखने के बजाय सारी इलीट चर्चा दोनों पक्षों की खेला कर सकने की क्षमता के आकलन पर टिक गई।

काजोल की फिल्म मां का नया पोस्टर जारी

अभिनेत्री काजोल इन दिनों सुर्खियों में हैं। वह अपनी आने वाली फिल्म मां को लेकर उत्साहित हैं। काजोल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म मां का पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में काजोल और एक शैतान नजर आ रहा है। दोनों एक दूसरे को गुस्से से देख रहे हैं। दोनों एक दूसरे पर चिल्लाते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर के ऊपर लिखा है रक्षक, भक्षक और मां।

काजोल ने जो पोस्टर जारी किया है उसमें जबरदस्त ऑडियो सुनाई दे रहा है। यह ऑडियो कॉफी जोशीला है। ऐसा लगता है काजोल शैतान से लड़ने को तैयार हैं। काजोल ने पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा है रक्षक, भक्षक, मां। बचाने वाली। बर्बाद करने वाली। मां का ट्रेलर 4 दिन बाद यानी 31 मई को रिलीज किया जाएगा। जैसे ही काजोल ने इंस्टाग्राम पर मां फिल्म का पोस्टर जारी किया वैसे ही इस पर यूजर्स के रिएक्शन आने लगे। कई यूजर्स ने पोस्टर को लाइक किया है और कई यूजर्स ने इस पर कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है यह फिल्म निश्चित रू से घातक होगी!! एक दूसरे यूजर ने लिखा है काजोल यहां राज करने के लिए आ रही हैं। ख्याल रहे काजोल की फिल्म मां हॉरर, सुपरनेचुरल ड्रामा है। काजोल इसमें लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, टी20 में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार, 27 मई को इंडियन प्रीमियर लीग का आखिरी लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया. इस जीत के साथ ही आरसीबी ने टॉप–2 में एंट्री मारी और क्वालिफायर–1 में खेलना पक्का कर लिया. कांटे के इस मुकाबले में आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इतिहास रच दिया और 2 ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया.

2008 में आईपीएल के पहले संस्करण से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट कोहली ने एलएसजी के खिलाफ मैच में टी20 क्रिकेट में आरसीबी के लिए 9000 रन पूरे किए. मैच से पहले कोहली को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल 24 रनों की जरूरत थी और उन्होंने 5वें ओवर में आरसीबी के 228 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यह उपलब्धि हासिल कर ली. बता दें कि, कोहली के नाम पहले से ही टी20 क्रिकेट में एक ही फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है. उनके रनों में अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग में आरसीबी के लिए बनाए गए रन भी शामिल हैं.

आरसीबी ने रचा इतिहास, आईपीएल 2025 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर बनाया महारिकॉर्ड

नई दिल्ली,। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के पहले क्वालीफायर के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है. कप्तान जितेश शर्मा ने 33 गेंदों में 85 रनों की धमाकेदार पारी खेली, जिससे आरसीबी ने मंगलवार को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल 2025 के आखिरी लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया. इस जीत के साथ ही आरसीबी की टीम में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, क्योंकि वह आईपीएल के इतिहास में एक सीजन में अपने सभी घर से बाहर वाले मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई.

आईपीएल 2025 के आखिरी लीग मैच में 228 रनों का पीछा करते हुए 6 विकेट की जीत रॉयल चैलेंजर्स की घर से बाहर लगातार 7वीं जीत थी. आरसीबी ने मौजूदा आईपीएल सीजन में अपने अभियान की शुरुआत उद्घाटन मैच में गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स, कोलकाता में 7 विकेट से जीत के साथ की थी.

हालांकि, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इकाना में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एक मैच गंवा दिया था, लेकिन खराब मौसम की भविष्यवाणी के कारण उस मैच को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी से स्थानांतरित कर दिया गया, इस प्रकार से इकाना को आरसीबी बनाम एसआरएच मैच के लिए एक घरेलू खेल (या बल्कि एक तटस्थ स्थल) बना दिया गया.

मृणाल और अदिवी शेष की डकैत का टीजर रिलीज

इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल 'डकैत् का आज टीजर जारी हो गया है। टीजर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर में फिल्म की प्रमुख स्टारकास्ट अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप नजर आ रहे हैं। फिल्म का नाम 'डकैतः एक प्रेम कथाइ है, ऐसे में फिल्म में एक्शन के साथ–साथ रोमांस का तड़का भी देखने को मिलेगा। 1 मिनट 1 सेकंड के इस टीजर की शुरूआत अदिवी शेष के एक वाइस ओवर से होती है। जबकि मृणाल ठाकुर की आखों में आंसू हैं और वो परेशान दिखती हैं। वाइस ओवर में कहता है, 'जूलियट तेरे साथ सबने बहुत गलत किया है। जिस पर भी तूने भरोसा किया, उसने तुम्हे धोखा दिया। लेकिन फिक्रमत कर, अब मैं आ गया हूं। अब कोई नहीं बचेगा। बचेगी तो बस तेरी बर्बादीइ टीजर से पता चलता है कि फिल्म की कहानी कहीं न कहीं प्यार और धोखे पर आधारित है। टीजर में अनुराग कश्यप भी एक झलक दिखे हैं। जो कहीं न कहीं फिर से फिल्म में निगेटिव किरदार में लग रहे हैं। फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी।

तेजा सज्जा की पैन इंडिया फिल्म मिराई का मंच तैयार

भारतीय सिनेमा की कल्पनाशीलता और तकनीकी उत्कृष्टता का संगम लेकर आ रही है फिल्म 'मिराइइ, जिसमें पौराणिकता, भविष्य और एक्शन का ऐसा मेल देखने को मिलेगा जो दर्शकों को एक नई सिनेमाई दुनिया से रूबरू कराएगा। पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले बन रही इस फिल्म का टीजर 28 मई को रिलीज़ होने जा रहा है, और हाल ही में जारी हुआ इसका जबरदस्त पोस्टर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

फिल्म में 'हनुमानझ् फेम तेजा सज्जा एक बिल्कुल नए और उग्र अवतार में नजर आएंगे, जो इस बार सिर्फ नायक नहीं, बल्कि मानवता के रक्षक की भूमिका में होंगे।

फ्लिप मारकर जश्न मनाने वाले ऋषभ पंत को मिली सजा

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार, 27 मई को इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार के साथ इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में अपना अभियान समाप्त किया. वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार जीत दर्ज कर गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ क्वालीफायर 1 का मुकाबला तय किया. एलएसजी ने कप्तान ऋषभ पंत के नाबाद शतक की बदौलत (227/3) रन का स्कोर बनाया. हालांकि, आरसीबी ने जितेश शर्मा और विराट कोहली के अर्धशतकों की बदौलत 9 गेंद शेष रहते विशाल लक्ष्य हासिल करते हुए 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की. इकाना स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के आखिरी लीग मैच में रनों का अंबार लगा.

इस मुकाबले में मिशेल मार्श ने 37 गेंदों पर 67 रन बनाए, जबकि ऋषभ पंत ने नाबाद 118 रनों की पारी खेली. दोनों ने टीम को विशाल स्कोर बनाने में मदद की, लेकिन आरसीबी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए करारा जवाब दिया. वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स को हार के साथ–साथ एक और बड़ा झटका लगा. एलएसजी की टीम ने आरसीबी के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर–रेट बनाए रखा. यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत टीम का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए कप्तान पंत की अगुवाई वाली टीम पर बीसीसीआई ने भारी भरकम जुर्माना लगा दिया. आईपीएल ने बुधवार को एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर–रेट अपराधों के लिए उनकी टीम का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है. इसमें आगे कहा गया है कि, इम्पैक्ट प्लेयर सहित बाकी प्लेइंग इलेवन पर या तो 12 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया है.

एक नजर

कृषि संकल्प अभियान से किसानों को करें लाभान्वित: दीक्षित

नई टिहरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में भारत सरकार की संचालित कृषि संकल्प अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस अभियान के तहत सरकार की मंशा अनुसंधान किसान के द्वार तक पहुंचाना है। योजना के तहत किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा के साथ ही योजना को धरातल पर उतारने के लिए ठोस कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में कृषि विज्ञान केन्द्र रानीचौरी के प्रभारी डॉ. आलोक येवले ने बताया कि उक्त अभियान की शुरुआत उड़ीसा राज्य के पुरी स्थान (निकटवर्ती कृषि विज्ञान केन्द्र) से बीती नौ मई को केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की है। जिसके तहत जनपद में इस अभियान के लिए 5 टीमों का गठन किया गया है, जो कि जनपद की 75 न्याय पंचायातों बीती 29 मई से अब तक 15 दिनों में कुल 150 ग्राम पंचायत स्तरीय कृषि वैज्ञानिक कार्यक्रम आयोजित कर चुके हैं। जिसमें खरीफ की फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने के लिए कृषकों को कृषि एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि विज्ञान केन्द्र रानीचौरी के कृषि वैज्ञानिकों के संयुक्त रूप से ग्राम स्तर पर कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित कर वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को अनुसंधान और तकनीकी की जानकारी दी जा रही है। डीएम दीक्षित ने कृषि एवं अन्य सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया कि इस अभियान की पूर्ण तैयारी करते हुए जनपद के अधिक से अधिक कृषकों का प्रतिभाग करवाते हुए उन्हें लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। बैठक में सीडीओ वरूणा अग्रवाल सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तेज बारिश से नव निर्माणाधीन केवि स्कूल का पुश्ता ढहा–सड़कें भी बंद

नई टिहरी। उत्तराखंड में प्री–मॉनसून की बरसात मुसीबत बनती जा रही है। बारिश के बाद लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। रुद्रप्रयाग और चमोली जिले के बाद टिहरी जिले में भी बरसात ने अपना रौद्र रुप दिखा है। बरसात की वजह से घरों में मलबे घूसने के साथ ही आंतरिक सड़कों पर भी बुरा असर पड़ा है। लोगों को परेशानी हो रही है। हालांकि, राहत की बात है कि चारधाम यात्रा रूट पर अभी तक कोई असर नहीं पड़ा है। उत्तराखंड चारधाम यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। टिहरी जिले में हुई बारिश के बाद जमकर नुकसान हुआ है। तेज बारिश से नव निर्माणाधीन केंद्रीय विद्यालय स्कूल की बिल्डिंग का एक पुश्ता ढहने से नुकसान हुआ है। इसके साथ ही गौशाला वाली सड़क पर मलबा आने से सड़क बदहाल हो गई है।जिस पर आवाजाही करने मे आम लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बौराड़ी स्टेडियम बारिश के पानी से लबालब भर गया। जिसके कारण यहां पर आयोजित हो रही रामलीला भी प्रभावित हो रही है। रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष देवेंन्द्र नौडियाल , वरिष्ठ उपाध्यक्ष भगवान चन्द रमोला, मनोज राय, जशोदा नेगी उपाध्यक्ष, अमित पंत, गंगा भगत नेगी, नन्दू बाल्मिकी, वेशभूषण जोशी , कमल महर आदि का कहना है कि बौराड़ी स्टेडिमय में करोड़ों खर्च करने के बाद भी ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया गया है।जिससे बौराड़ी स्टेडियम एक ही बारिश में तालाब में तब्दील हो गया है। प्रशासन इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है। कहना था कि ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने की वजह से लोगों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है।

सैनिकों के सम्मान में रैली का किया आयोजन

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि बादशाहीथौल में बुधवार को भारत की सेना के सम्मान में रैली का आयोजन किया गया। विवि मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में ऑपरेशन सिन्दूर के तहत भारतीय सेना के पराक्रम तथा अदम्य साहस के लिए सम्मान स्वरूप भाषण एवं देशभक्ति गीत कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। विवि मुख्यालय में बैचलर इन कम्प्यूटर सांइस में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं, विवि के कार्मिकों एवं अधिकारियों द्वारा मुख्यालय से केन्द्रीय विवि परिसर से बादशाहीथौल तक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें ऑपरेशन सिन्दूर एवं राष्ट्र प्रथम की बैनर तले छात्र–छात्राओं एवं कार्मिकों द्वारा भारत माता की जय हो के जयघोष के नारे लगाये। भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो. एनके जोशी ने कहा कि भारत की सेना का सम्मान तथा सैनिकों के प्रति देश की जनता का अडिग विश्वास है। भारतीय सेना ने दुश्मन देशों के साथ हुए विभिन्न युद्धों में अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश की अक्षुणता को बनाये रखा है।

सड़क पर गंदगी के ढेर, बरसात में होगी जलभराव की समस्या

नालियों की सफाई के बाद भी बरसात में बढ़ सकती है समस्या

कोटद्वार के झंडाचौक में हल्की वर्षा के दौरान नाली चौक होने से सड़क पर जमा गंदा पानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भले ही नगर निगम नालियों की सफाई कर रहा हो। लेकिन, सड़कों पर प्रतिदिन लग रहे गंदगी के ढेर से दोबारा नालियों के चौक होने का अंदेशा बना हुआ है। दरअसल, कूड़ेदान के अभाव में कई व्यक्ति घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कूड़े को पॉलीथिन में बांधकर सड़क व नालियों में फेंक देते हैं। कई गंदगी के ढेर नालियों में जमा रहते हैं। बुधवार को भी हल्की बारिश के दौरान झंडाचौक सहित अन्य स्थानों पर यही स्थिति देखने को मिली।

नगर निगम आमजन को घरों व प्रतिष्ठानों का कूड़ा निगम के वाहनों में डालने की अपील कर रहा है। बावजूद कई ऐसे लोग हैं जो वाहन में कूड़ा डालने के बजाय उसे पॉलीथिन में बांधकर सड़क पर ही फेंक रहे हैं। यही नहीं रात के अंधेरे में कई व्यापारी भी अपने प्रतिष्ठानों का कूड़ा सड़क पर उड़ेलते हुए आसानी से देखे जा सकते हैं। ऐसे में सड़क किनारे वर्षा के पानी की निकासी के लिए बनाई गई नालियां चौक हो जाती है। जिससे सड़क पर जलभराव होने लगता है।

हालांकि, नगर निगम वर्षाकाल से पूर्व नालियों की सफाई करवा रहा है। लेकिन, जब तक कूड़ेदान की व्यवस्था नहीं होगी तब तक स्थिति में सुधार होना मुश्किल है।

नहीं सुधर रही स्थिति

सड़क पर कूड़ा फेंकने वालों पर नजर रखने के लिए नगर निगम की ओर से शहर में छह से अधिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बावजूद कुछ लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। सड़क पर कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ नगर निगम समय–समय पर चालान की कार्रवाई भी करता है। कूड़ा उठाने वाले वाहन को महीने का तीस रुपये न देना पड़े इसके लिए लोग स्वच्छता को लेकर लापरवाह बने हुए हैं। वही, सुबह–सुबह आफिस जाने वाले व्यक्ति व भी घर से निकलते समय कूड़ा सड़क पर फेंक देते हैं।

शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए नगर निगम के अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं। आमजन को सड़क पर कूड़ा फेंकने के बजाय कूड़ेदान वाहन का उपयोग करना चाहिए। वर्षाकाल में कूड़े से नाली चौक न हो इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा..शैलेंद्र सिंह रावत, महापौर

सेवा नियमावली का किया समर्थन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः उत्तराखंड रजिस्ट्रार कानूनगो संघ ने उत्तराखण्ड अधीनस्थ राजस्व कार्यपालक (राजस्व निरीक्षक) सेवा नियमावली 2021 का समर्थन किया है। संघ का कहना है कि इस नियमावली के लागू होने से अन्य विभागों की भांति राजस्व विभाग में भी पहली पदोन्नति मात्र पांच वर्ष में हो जाएगी, जबकि वर्तमान में पहली पदोन्नति दस वर्ष की सेवा के बाद होती है। संघ के संगठन मंत्री (गढ़वाल) की ओर से शासन को भेजे गए पत्र में इस नियमावली का समर्थन किया गया है। कहा कि कुछ लोग लेखपाल व राजस्व उपनिरीक्षकों को भ्रमित करने के लिए गलत तथ्य रख रहे हैं। कहा कि नियमावली लागू होने के बाद जहां पदोन्नति के अवसर बढ़ेंगे, वहीं कोई भी कार्मिक शार्टकट पदोन्नति नहीं पा पाएगे, जिस कारण सभी कर्मियों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। कहा कि राजस्व विभाग में वर्षों पुरानी सेवा नियमावली में तमाम विसंगतियां हैं। नतीजा, जूनियर कार्मिक पहले पदोन्नत हो रहे है और वरिष्ठ कार्मिक पदोन्नति से वंचित रह जाते हैं। जबकि उत्तराखंड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली–2002 में पदोन्नति का आधार मौलिक पद पर नियुक्ति की तिथि है और वहीं से ज्येष्ठता का निर्धारण किए जाना चाहिए। कहा कि राजस्व विभाग को छोड़ अन्य तमाम विभागों में 2002 की नियमावली ही लागू होती है। नतीजा, राजस्व विभाग में जूनियर कार्मिक तो तहसीलदार बन गए। लेकिन, वरिष्ठ कार्मिक राजस्व निरीक्षक या रजिस्ट्रार कानूनगो के पद पर ही हैं। कहा कि 1993 को नियुक्त पटवारी आज तहसीलदार के पद पर सेवारत हैं, जबकि 1990 बैच के पटवारी/लेखपाल आज भी पदोन्नति से वंचित हैं। सैकडों कार्मिक बिना नियमित पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पदोन्नति के तमाम पद रिक्त चल रहे हैं और प्रत्येक प्रभावित कार्मिक न्यायालय की शरण में जाने को मजबूर है। पत्र में उन्होंने 2021 की नियमावली का समर्थन करते हुए इसे लागू करने की मांग की है।

पेयजल किल्लत से जूझ रहे कड़ाकोट के ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ीः कोट ब्लाक के कड़ाकोट गांव में 25 परिवार लंबे समय से पेयजल किल्लत से परेशान हैं। ग्रामीणों ने एडीएम पौड़ी से मुलाकात कर सुचारु पेयजल आपूर्ति की गुहार लगाई है। बताया कि पेयजल आपूर्ति के लिए दो योजनाएं संचालित हो रही हैं, लेकिन इसके बाद भी ग्रामीणों को पेयजल किल्लत से दो चार होना पड़ रहा है और जल संस्थान लगातार बिल भेज रहा है। उन्होंने पेयजल आपूर्ति जल्द सुचारु नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। भाजपा युवा मोर्चा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष रोहित नैथानी के नेतृत्व में ग्रामीणों के एक प्रतिनिधि मंडल ने एडीएम पौड़ी से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि कड़ाकोट गांव में 25 परिवार रहते हैं, लेकिन बीते एक से डेढ़ साल से ग्रामीण पेयजल किल्लत से परेशान हैं।उन्होंने कहा कि 15 साल पहले गांव में पेयजल आपूर्ति गैठी–छेड़ा पेयजल पंपिंग योजना से जलापूर्ति की जाती थी। लेकिन बीते एक साल पूर्व कड़ाकोट से इस योजना की आपूर्ति ठप कर दी गई। इस योजना से गणियागांव, चमना व बंडुल को पानी दिया जाने लगा। बताया कि कड़ाकोट में जलापूर्ति के लिए जल जीवन मिशन के तहत चुनचौ गदेरे से सोलर पंपिंग योजना बनाई गई। लेकिन इस योजना से मई, जून व बरसात में गदेरा सूखने और मौसम खराब होने पर योजना का मोटर बंद होने पर जलापूर्ति ठप हो जाती है। उन्होंने कहा कि कई बार जल संस्थान के अफसरों को समस्या से अवगत करवाया गया लेकिन ग्रामीणों को पेयजल किल्लत से निजात नहीं मिल पा रही है। उन्होंने पेयजल आपूर्ति जल्द सुचारु किए जाने की मांग की। साथ ही आपूर्ति सुचारु नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। एडीएम पौड़ी अनिल गर्ब्याल ने ग्रामीणों के प्रतिनिधि मंडल को जल्द जलापूर्ति सुचारु होने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ग्रामीण रोशन कुमार, सौरभ बहुगुणा, अमित रावत आदि मौजूद रहे।

पेयजल समस्या का गंभीरता से करें निराकरण: जिलाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से पेयजल संकट और पीएम किसान सम्मान निधि योजना को लेकर अफसरों के साथ बैठक की। उन्होंने जल संस्थान व जल निगम के अफसरों को पेयजल समस्या वाले गांवों को चिन्हित करते हुए वहां नियमित रूप से पानी के टैकर भेजने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने कहा कि पेयजल को लेकर आ रही जन शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लें। उन्होंने जल संस्थान और जल निगम के अफसरों को पेयजल की समस्या वाले गांवों में ग्राउंड सर्वे करवाने के निर्देश दिए। डीएम ने सभी एसडीएम और खंड विकास अधिकारियों को भी अपने–अपने क्षेत्र में पेयजल समस्याओं की जानकारी संबंधित विभागों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए बैठक में बताया गया कि अब तक पेयजल कंट्रोल रूम में कुल 131 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 126 का निस्तारण किया जा चुका है और शेष 5 शिकायतों का जल्द भी जल्द निस्तारण कर दिया जाएगा। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा में डीएम ने संबंधित अफसरों को इस कार्य में लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। बैठक में डीडीओ मनविंदर कौर, अधीक्षण अभियंता जल संस्थान पीके सैनी, जल निगम मो. मीशम, एसडीएम रेखा आर्य, अनिल चन्याल आदि शामिल रहे।

आमसौड़ की अनदेखी पर रोष, ट्रीटमेंट की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पूर्व में बरसात के दौरान आपदा की मार झेल चुके आमसौड़ के ग्रामीणों को एक बार फिर आपदा का डर सताने लगा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में आश्वासन के बाद भी पहाड़ी में ट्रीटमेंट नहीं करवाया गया है। जिससे कुछ दिन बाद शुरु होने वाली वर्षा में आपदा का खतरा बना हुआ है।

बुधवार को आमसौड़ के ग्रामीण कोटद्वार तहसील में पहुंचे। जहां उन्होंने उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ग्रामीण कुंदन सिंह व विक्रम सिंह ने बताया कि गत वर्षाकाल के दौरान आमसौड़ के ऊपर स्थित पहाड़ी का हिस्सा टूटने से भारी मलबा गांव के ऊपर आ गया था।

जिससे कुछ भवनों को नुकसान भी पहुंचा था। साथ ही पेयजल स्रोत भी पूरी तरह ध्वस्त हो गए थे। वर्षाकाल में ग्रामीणों को अन्यत्र शरण लेनी पड़ी थी। गांववासियों को हर समय जान–मान का

कोटद्वार में उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते आमसौड़ के ग्रामीण

खतरा बना हुआ था। बताया कि उस समय मौके पर पहुंचे अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने जल्द से जल्द समस्या से निराकरण दिलवाने का वादा किया था। लेकिन, अब तक कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई है। सिंचाई विभाग ने भी ग्रामीणों को अवगत करवाया था कि ट्रीटमेंट के लिए डीपीआर तैयार करवाई जा रही है। बावजूद अब तक धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ। ऐसे में कुछ दिन बाद वर्षाकाल प्रारंभ होने वाले और गांववासियों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों के हित को देखते हुए जल्द से जल्द धरातल पर कार्य प्रारंभ किया जाए। इस मौके पर अनिल सिंह, चंद्रमोहन, सोहन सिंह, मनोज कुमार, शोभा देवी, शांता देवी, सुमन जुयाल आदि मौजूद रहे।

मालन नदी के तट पर सुरक्षा दीवार निर्माण का कार्य शुरु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मालन नदी के तट पर बाढ़ सुरक्षा दीवार निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने बाढ़ सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। कहा कि बरसात के दौरान आबादी की सुरक्षा के लिए गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। मालूम हो कि, मालन नदी के तट पर रहने वाले लोग पिछले कई वर्षों से सुरक्षा दीवार निर्माण की मांग उठा रहे थे। इसी के तहत बुधवार से सुरक्षा दीवार निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। विस अध्यक्ष ने कहा कि मालन नदी का वेग बढ़ने से नंदपुर, पदमपुर, शिवराजपुर, कोटला व गोरखपुर सहित अन्य आबादी क्षेत्र में भू–कटाव होता है। भू–कटाव व आबादी को सुरक्षित रखने के लिए नदी पर नौ सो 42 लाख रुपये की लागत से सुरक्षा दीवार का निर्माण करवाया जा रहा है। कहा कि पूर्व में दीवार की स्वीकृति में वन विभाग से संबंधित कुछ तकनीकी समस्याएं सामने

कोटद्वार में सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य का शिलान्यास करती विस अध्यक्ष

आई थी। लेकिन, इन सभी समस्याओं का निस्तारण कर आज धरातल पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। कहा कि सुरक्षा दीवार निर्माण से आबादी में वन्य जीवन भी प्रवेश नहीं कर पाएंगे। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता, दुगड्डा को निर्देश दिए कि इस परियोजना में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने स्थानीय निवासियों से आग्रह किया कि वे कार्य की गुणवत्ता पर भी निगरानी रखें। ताकि यह दीवार आने वाले वर्षों में प्रभावी सुरक्षा प्रदान कर सके। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, राज्य मंत्री ऋषि कंडवाल, अनिल गौड़ पार्षद शशिकांत जोशी, प्रमोद केस्टवाल, सौरव नौडियाल, पंकज जोशी, शशिबाला केस्टवाल, कमल नेगी, विवेक भारती आदि मौजूद रहे।

रामलीला में सीता स्वयंवर का हुआ मंचन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः पोखरी ढूमका में चल रहे वार्षिक रामलीला महोत्सव के तहत मंगलवार की रात सीता स्वयंवर की लीला का भव्य मंचन किया गया। रामलीला मैदान में आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक उमड़े। रामलीला समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, जनक राजा, रावण, और सीता सहित अन्य पात्रों की भूमिकाएं जीवंत रूप में प्रस्तुत की। जैसे ही श्रीराम ने भगवान शिव का धनुष तोड़ा, पूरा मंच तालियों और जयकारों से गूंज उठा। दर्शकों ने कलाकारों की अभिनय प्रतिभा की खूब सराहना की। डा. शिवानंद नौटियाल, सुरेंद्र नौटियाल जनकल्याण सामाजिक समिति द्वारा प्रसाद वितरण भी किया गया।

प्रतिबंधित मांस तस्करी का अंदेशा, मोटरसाइकिल पर लगाई आग

बुधवार सुबह कौड़िया से शहर की ओर आ रही थी मोटरसाइकिल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहर में प्रतिबंधित मांस के तस्करी के अंदेशे में कुछ लोगों ने एक मोटरसाइकिल पर आग लगा दी। घटना के बाद मोटरसाइकिल चलाक वहां से फरार हो गया। सड़क पर गिर मांस के चुकड़ों को एकत्रित कर पुलिस ने उन्हें जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस ने गो–सेवकों की तहरीर के आधार पर व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कर लिया।

घटना बुधवार सुबह करीब साढ़े चार बजे की है। गोसेवकों को सूचना मिली कि अफजल कुरैसी नामक व्यक्ति उत्त–र प्रदेश से शहर में मांस की तस्करी कर रहा है। जिसके बाद सुबह ही गो–सेवक दिल्ली फार्म में पहुंच गए थे। इसी दौरान उन्हें एक मोटरसाइकिल आते हुए दिखाई दी। गो–सेवकों ने जब उसे रोकने का प्रयास किया ,लेकिन व्यक्ति मोटरसाइकिल को दौड़ाते हुए बालासौड़ चौराहे से देवी रोड की ओर चला गया। बताया कि इसी दौरान देवी रोड में उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और थैले में रखे मांस के टुकड़े भी सड़क पर बिखर गए। जैसे ही गो–सेवक अफजल को पकड़ने के लिए गए वह वहां से फरार हो गया। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसकी मोटरसाइकिल पर आग लगा दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साथ ही मांस की पहचान के लिए उसे लैब में भेजा जा रहा है। बताया कि पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयासों में जुटी हुई है।

अभियान के दौरान काश्तकारों को देंगे जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः जिले में गुरुवार से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक खेतों और गांवों में जाकर अपने शोध कार्यों की जानकारी किसानों से साझा करेंगे।

अभियान किसानों की मृदा स्वास्थ्य, फसल चयन, उर्वरक प्रयोग और जल प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियों से भी उन्हें समृद्ध करेगा। मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने बताया कि यह अभियान जिले के किसानों के लिए एक नई दिशा और ऊर्जा देने वाला सिद्ध होगा। यह पहल न केवल किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने का कार्य करेगी, बल्कि उन्हें सरकारी योजनाओं से लाभांवित करने का भी माध्यम बनेगी।बताया कि अभियान के सफल संचालन को लेकर जिले में कंट्रोल रूम की स्थापना के निर्देश भी अफसरों को दिए गए है। जिसकी जिम्मेदारी डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर आमता रवि कुमार को सौंपी गई है। कहा कि अभियान की लगातार मॉनिटरिंग मुख्य कृषि अधिकारी, पौड़ी द्वारा की जाएगी। वहीं जनपद स्तर पर विकसित कृषि संकल्प अभियान को सफल बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र भरसार को नोडल अधिकारी नामित किया है। सीडीओ ने कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, रेशम, सहकारिता व डेयरी विभाग के अफसरों को अभियान के दौरान कृषकों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए है। कहा कि इस अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

20किमी के दायरे में रहने वाले छात्रों को नहीं मिलेगी छात्रावास सुविधा

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में छात्रावास सुविधा 20 किमी क्षेत्र में रहने वाले छात्र–छात्राओं को नही मिलेगी। वही छात्रावास में 9 बजे रात सभी मोबाइल जमा कर सुबह आठ बजे वापस दिये जायेंगे। परिसर में सभी प्राध्यापकों के लिए भी ड्रेस कोड लागू किया गया है। निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने बताया कि, देवप्रयाग परिसर को विशिष्ट शास्त्र अध्ययन केंद्र बनाया जा रहा है। जिसमें नये नियम निर्धारित किये गए हैं। छात्रावास उन्ही छात्रों को दिया जाएगा जो नियमों का पूरा पालन करेंगे। इसके लिए उन्हें आवेदन के समय शर्त पत्र भी भरना होगा। श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में ग्रीष्म अवकाश के बाद 16 जून से नया सत्र शुरू होगा। परिसर के आठ भवनों में 570 छात्र क्षमता का छात्रावास संचालित होता है। इस शिक्षण सत्र में छात्रावास में संख्या 550 तक हो सकती है। परिसर प्रशासन ने सभी नियमों का पालन करने वाले छात्रों को ही इस बार छात्रावास सुविधा देने का निर्णय लिया है।

पूर्णाहुति के साथ अनुष्ठान संपन्न, माता की प्रतिमा हुई स्थापित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कांडाखाल के ग्राम बनाली में चल रहा तीन दिवसीय अनुष्ठान बुधवार को भंडारे के साथ संपन्न हो गया। अनुष्ठान कार्यक्रम में ग्रामीणों के साथ ही बड़ी संख्या में प्रवासियों ने भी भाग लिया।

अनुष्ठान के पहले दिन कांडाखाल से बनाली गांव तक शोभायात्रा निकाली गई थी। इसी के दौरान दूसरे दिन मंगलवार रात गांव में मंडाण लगाए गए। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ ही प्रवासियों ने भी भाग लिया। बुधवार सुबह मंदिर में विशेष पूजा अर्चना का दौर शुरु हुआ। साथ ही वैदिक मंत्रों के साथ मंदिर में माता अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापित की गई। भक्तों ने माता अन्नपूर्णा से अपने परिवार के लिए सुख शांति की कामना की। इसके उपरांत मंदिर परिसर में

बनाली गांव में अनुष्ठान के दौरान यज्ञ करते श्रद्धालु

यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ के उपरांत मंदिर में भंडारा भी हुआ। भंडारे में कांडाखाल व आसपास के ग्रामीणों ने भी माता का प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामीणों ने बताया कि बनाली मंदिर से आसपास के ग्रामीणों की भी आस्था जुड़ी हुई है। मंदिर में माता अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापित होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। इस मौके पर ऋषि कंडवाल, गणेश कंडवाल, रामकिशोर कंडवाल, विनोद कंडवाल, संजय तोमर, दीपक कंडवाल, नीरज कंडवाल आदि मौजूद रहे।

विधायक किशोर ने अतिवृष्टि प्रभावित नगर क्षेत्र का जायजा लिया

नई टिहरी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने बुधवार को बीते दिवस की तड़के हुई बारिश के कारण प्रभावित नई टिहरी के क्षेत्र का भ्रमण किया। अतिवृष्टि से हुए नुकसान को लेकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये। बारिश से प्रभावित मोलधार की वाल्मीकि बस्ती के लोगों से मिले और उन्हें पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। बौराड़ी स्टेडियम की बदहाली पर चिंता जताई। अतिवृष्टि से प्रभावित टिहरी नगर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान विधायक ने केंद्रीय विद्यालय का पुश्ता ढहने हुई स्थिति का जायजा लिया। विधायक ने कहा कि केवी का कार्य लगभग पूरा होने की की कगार पर है। पुश्ता ढहने से बनी स्थिति से निपटने को कारगर कदम उठाने के निर्देश दिये। इसके अलावा विद्यालय की जन समस्याओं में वन

विभाग से सम्बंधित प्रकरण व पुर्नवास से सम्बंधित प्रकरण। जिसमें 4 हजार वर्ग मीटर भूमि विद्यालय हो हस्तांतरित होनी है। विद्यालय की चाहरीदीवारी निर्माण, आसपास के नालों का निर्माण, पेयजल की लाईनें हटाने का काम और भविष्य में विद्यालय सुरक्षित आदि बिंदुओं को लेकर भी सम्बंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये। बाल्मिकी बस्ती में पानी घुसने के चलते कुछ लोगों के चोटिल होने पर उनकी स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई। बारिश के कारण यहां रहने वाले परिवारों को हुए नुकसान के आंकलन के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। बौराड़ी स्टेडियम के भ्रमण के दौरान स्टेडियम की बदहाली पर विधायक किशोर ने चिंता जताते हुए कहा कि स्टेडियम पर अब तक 6.5 करोड़ की धनराशि खर्च हो चुकी है। लेकिन स्टेडियम की दशा नहीं सुधरी है। जिसे लेकर विधायक ने पीआरडी के निदेशक व पीआरडी अधिकारियों को स्टेडियम के हालाता सुधारने के लिए निर्देश देते हुए कहा कि स्टेडियम की दशा सुधारें व नई टिहरी के आस–पास राष्ट्रीय व अंर्तराष्ट्रीय क्रीड़ा प्रतियोगितायें करने के लिए स्थान स्थापित करें।

कृषि संकल्प अभियान का आगामी 12 जून तक होगा आयोजन

नई टिहरी। कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विभाग एवं अन्य रेखीय विभाग के तत्वावधान में विकसित कृषि संकल्प अभियान–2025 12 जून 2025 तक टिहरी जिले के सभी विकासखंडों में चलेगा।

यह अभियान भारत सरकार के निर्देशानुसार देशभर में किसानों को कृषि क्षेत्र में वैज्ञानीक तरीके से खेती करना एवं उन्नत तकनीकों, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, फसल विविधिकरण, जलवायु परिवर्तन अनुकूल खेती और पोषक कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।

लिटिगेशन शेड कामों का हुआ शुभारंभ

नई टिहरी। जिला न्यायालय परिसर में जिला न्यायाधीश योगेश कुमार गुप्ता एवं डीएम मयूर दीक्षित ने विधि–विधान से लिटिगेशन शेड के सुदृढ़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शिलान्यास किया। लिटिगेशन शेड के सुदृढ़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को अनटाइड मद से वर्ष 2025–26 के तहत 31 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई। इस मौके पर जिला न्यायाधीश योगेश कुमार गुप्ता ने कहा कि बहुप्रतीक्षित काल के बाद तथा वास्तविक मांग लिटिगेशन शेड के कार्यों का आज शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा कि न्याय से संबंधित कार्यों को विपरीत परिस्थितियों में तथा विधि के दायरे में रहकर संयम से करना ही एक सामान्य मनुष्य से भिन्न करता है।कहा कि उनके द्वारा समन्वय बनाकर सभी समस्याओं को हल किये जाने के प्रयास किये गये। जिला बार एसोसिएशन और न्यायिक कार्यालय समन्वय बनाकर कार्य करें। डीएम मयूर दीक्षित ने कहा कि जिला न्यायाधीश के निर्देशन में यह कार्य किया जा रहा है। डीएम न ईई लघु सिंचाई को लिटिगेशन शेड के सौंदर्यीकरण कार्य लम्बे समय तक चलने वाले तथा गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिये गये।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, मेडिकल आउटलेट, पूजा सामग्री कीओस्क, रेल कोच रेस्टोरेंट, बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल एवं प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधी केंद्र के ठेकों तथा नैमिषारण्य रेलवे स्टेशन पर रिटायरिंग रूम के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ **website: www.ireps.gov.in** पर दिनांक 12.06.2025 & 13.06.2025 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1578/25

संक्षिप्त समाचार

ललित चंद्र जोशी तीसरी बार बने सचिवालय एथलेटिक्स एंड फिटनेस क्लब के अध्यक्ष

देहरादून। आज दिनांक 28 मई 2025 को सचिवालय एथलेटिक्स एंड फिटनेस क्लब के संपन्न हुए चुनाव में ललित चन्द्र जोशी अध्यक्ष, राजेंद्र प्रसाद जोशी महासचिव एवं दिनेश घींगा को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। सचिवालय एसथेटिक्स एंड फिटनेस क्लब के इस द्विवार्षिक चुनाव के लिए 26 मई को नामांकन 27 में को नाम वापसी और 28 मई को चुनाव संपन्न कराया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में राकेश जोशी, महासचिव सचिवालय संघ के द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में यह निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई ,और निर्वाचित पदाधिकारी को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। निर्वाचित कार्यकारिणी द्वारा शीघ्र ही प्रबंध कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों को नामित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य सुरक्षा अधिकारी जीवन सिंह बिष्ट , से0 नि0 अपर सचिव सुनील कुमार पांथरी , रीता कौल, रीना शाही,श्रीमती प्रमिला टम्टा,श्रीमती गोदावरी रावत निधि , दीपा बोहरा मीनाक्षी गुणवंत, डॉक्टर अशोक कुमार मिश्र, भुवन चंद्र जोशी, महेश धर्मशक्तु,श्री मगन चन्द सिंह राणा ,श्री तेज सिंह, रणजीत सिंह रावत, माधव नौटियाल, जगत डसीला, प्रवीण चंद्र सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

एमआरएफ सेंटर कार्यरत 30 कर्मचारियों को किया सम्मानित

देहरादून। टिहरी बाईपास रोड के समीप नगर पालिका के एमआरएफ सेंटर में काम करने वाले 30 कर्मचारियों को हिलदारी ने जैकेट, मेडिकल किट व दास्ताने देकर सम्मानित किया। बुधवार को हिलदारी के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में एमआरएफ सेंटर के कार्य कर रहे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और काम करने की स्थिति में सुधार होगा। एमआरएफ सेंटर पर काम करने वाले कर्मचारी कचरा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है। इस मौके पर नाववेस्ट इनवायरमेंटल सोल्यूशन के नीरज ने हिलदारी के प्रयास की सराहना की। कहा कि यह कदम कर्मचारियों के प्रति सम्मान और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कर्मचारियों ने भी हिलदारी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर हिलदारी से लीला, दीपिका, निशा, दीपक, वैभव और एमआरएफ टीम से मोहन, लोकेश, नीरज शामिल थे।

राज्य आंदोलनकारियों के आश्रितों के प्रमाण पत्र की अड़चन होगी दूर

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी मंच का एक शिष्टमण्डल थानों रोड स्थित अधीनस्थ चयन आयोग अध्यक्ष जीएस मतौलिया से मिला और उनसे राज्य आंदोलनकारियों के आश्रितों के प्रमाण पत्रों को लेकर आ रही अड़चन को दूर करने की मांग की। वार्ता के दौरान आयोग अध्यक्ष नले कहा कि आगे से किसी आश्रित को प्रमाण पत्र की जांच में असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। मंच के प्रदेश प्रवक्ता ने आयोग अध्यक्ष को बताया कि एक अभ्यर्थी के प्रमाण पत्रों की जांच करते हुये आयोग में किसी कर्मचारी ने प्रमाण पत्र में तिथि का उल्लेख न होने का हवाला देकर प्रमाण पत्र को नकार दिया गया।जिससे कुछ परीक्षार्थी रोने लगे। जब मामला राज्य आंदोलनकारी मंच के संज्ञान में आया तो मंच के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती ने आयोग अध्यक्ष जीएस मतौलिया से दूरभाष पर बात की एवं सारे मामले से अवगत कराया। अध्यक्ष ने बताया कि यह उनके संज्ञान में नहीं आया है लिहाजा वह स्वयं इसे देख रहे हैं। उसी क्रम में बुधवार को मंच का एक शिष्टमण्डल आयोग कार्यालय पहुंचकर जीएस मतौलिया से मिला। अध्यक्ष ने विश्वास दिलाया कि अब किसी भी राज्य आंदोलनकारी आश्रित को बेवजह परेशान नहीं होना पड़ेगा।

राष्ट्रपति के आशियाने के सौंदर्यकरण के लिए पेड़ काटने का विरोध

देहरादून। शहर के विभिन्न नागरिक समूहों ने राष्ट्रपति आशियाना परियोजना के तहत राजपुर रोड पर 100 साल पुराने तून के पेड़ को काटे जाने पर आक्रोश जताया। आक्रोशित लोगों ने पीडब्ल्यूडी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध करने वाले लोगों ने कहा कि 300 इंच से ज़्यादा की परिधि वाला तुन का पेड़ देहरादून के पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जो पक्षियों, कीड़ों और मधुमक्खियों का पोषण करता था और प्राकृतिक वायु शोधक के रूप में काम करता था। इस पुराने पेड़ को काटना एक दुखद क्षति है, जो वृक्ष संरक्षण को प्राथमिकता देने की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाता है।

सीएम धामी ने किया "अहिल्या स्मृति मैराथन" को हरी झंडी दिखाकर रवाना

– अहिल्या स्मृति मैराथन में नितिन और गौरी विजेता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को पवेलियन ग्राउण्ड, देहरादून में "अहिल्या स्मृति मैराथन" एक विरासत–एक संकल्प कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वयं भी युवाओं के साथ मैराथन में दौड़कर सबका उत्साहवर्धन किया। सीएम ने कहा कि युवा शारीरिक गतिविधियों में जमकर प्रतिभाग करें। इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता और एकता लाने के साथ स्वस्थ समाज का भी निर्माण करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट अहिल्या बाई होल्कर द्वारा समाज में दिए योगदान और त्याग के विषय में जानकारी दी और उनके पद चिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार, मेयर सौरभ थपलियाल, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, विधायक भरत चौधरी, दायित्वधारी अनिल डब्बू, श्याम अग्रवाल, हेम बजरंगी, भाजपा युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बिष्ट एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

सल्या–तुलंगा मोटर मार्ग बदहाल, लोग परेशान

रुद्रप्रयाग। ऊखीमठ ब्लॉक के सल्या–तुलंगा के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में बन रहे सल्या–तुलंगा मोटर मार्ग की स्थिति बदहाल बनी है। 5 किमी सड़क की कटिंग तो पूरी कर दी गई, किंतु सड़क की स्थिति उबड़–खाबड़ बनी है। यह मार्ग वर्तमान में ग्रामीणों के लिए जी का जंजाल बना है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र मोटर मार्ग नहीं बनाया गया तो वे आंदोलन को मजबूर होंगे। ऊखीमठ ब्लॉक के सल्या, तुलंगा, तेवगड़, ल्वाड़ी आदि गांवों की करीब 10 हजार की आवादी को इस मोटर मार्ग से लाभ होना था। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में भले ही 5 किमी सड़क का कटिंग का काम पूरा तो कर दिया गया है, किंतु बीते कई समय से सड़क पर काम बंद पड़ा है।

तुलंगा ग्राम पंचायत के प्रशासक नवीन रावत ने बताया कि बीते लम्बे समय से मोटर मार्ग पर काम बंद किया गया है। सड़क की कटिंग और पुश्ते को बनाए गए हैं, किंतु जहां वाहनों की आवाजाही होनी है वहां सड़क उबड़–खाबड़ बनी है। ग्रामीण जा जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं। बीते दो दिनों से बारिश के चलते सड़क के बीचों बीच नाले जैसी स्थिति हो रही है। ग्रामीण कलम सिंह राणा, आशीष राणा, ओंकार धिरवाण आदि ने कहा कि यह मोटर मार्ग ग्रामीणों के लिए जी का जंजाल बना है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र कार्यवाही न की गई तो वे आंदोलन को मजबूर होंगे। इधर, पीएमजीएवाई के अधिशासी अभियंता पवन कुमार ने बताया कि कुछ दिनों सड़क पर काम बंद था किंतु अब मजदूर आ गए हैं जल्द ही निर्माण की कार्यवाही की जाएगी। सड़क पर काम चल रहा है।

बच्चों ने सीखे स्टोरी टेलिंग, कविता पोस्टर और योग के गुर

श्रीनगर गढ़वाल। राजकीय इंटर कालेज खंडाह में आयोजित चार दिवसीय उलार कार्यक्रम के दूसरे दिन बच्चों को क्राफ्ट, योग का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर डायट खंडाह के प्राचार्य स्वराज सिंह तोमर ने बच्चों के कैंप की सराहना करते हुए कहा कि छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए समय–समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाना सराहनीय है। कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में लाभकारी सिद्ध होंगे। कार्यक्रम के पहले सत्र में नीलम पुरी बिष्ट ने छात्रों को योगा का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में शिक्षक अरूण ढोंडियाल ने क्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के तीसरे एवं मुख्य सत्र में शिक्षक आशीष नेगी ने स्टोरी टेलिंग के माध्यम से आजादी के आंदोलन, सभ्यता के इतिहास एवं कला के बारे में छात्रों को बताया।

मासिक धर्म शर्म का नहीं, सृजन का विषय: स्वामी चिदानंद महाराज

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि धर्म का उद्देश्य है जागरूकता, करुणा और समरसता है। यदि मासिक धर्म के विषय पर चुप्पी समाज को पीड़ा दे रही है, तो धर्म की जिम्मेदारी है कि वह समाज को इस पीड़ा से मुक्त करे। उन्होंने सभी धर्मगुरुओं, शिक्षकों, अभिभावकों और युवाओं से मासिक धर्म को लेकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। बुधवार को परमार्थ निकेतन में चल रही मासिक श्रीराम कथा में पहुंचे बालिकाओं के ग्रुप और महिलाओं को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर जागरूक किया गया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि मासिक धर्म शर्म का नहीं, सृजन का विषय है। यह नारी के भीतर छुपी प्रकृति की रचनात्मक शक्ति का प्रतीक है। जहां श्रीराम कथा के माध्यम से हम मर्यादा, सेवा, प्रेम और समर्पण का पाठ पढ़ते हैं, वहीं हमें समाज में व्याप्त मासिक धर्म से जुड़ी चुप्पी, संकोच और भ्रम को तोड़ने का भी संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि जैसे भगवान श्रीराम ने समाज को मर्यादा का मार्ग दिखाया, वैसे ही हमें भी अब मासिक धर्म जैसे आवश्यक विषयों पर खुलकर, गरिमा के साथ चर्चा करनी होगी। हमारे देश के कई हिस्सों में मासिक धर्म को लेकर सामाजिक वर्जनाएं हैं। जब नवरात्रि में हम कन्याओं के चरण धोते हैं, और उसी कन्या की महावारी को हम अशुद्ध कैसे कह सकते हैं। मासिक धर्म कोई बीमारी नहीं, यह नारी की जैविक प्रक्रिया है, जो संतान सृजन के लिए आवश्यक है। इसे छुपाना नहीं, समझाना होगा, इसे अपवित्र नहीं, पवित्र दृष्टि से देखना होगा।

चटक धूप के बीच बारिश ने दी राहत

ऋषिकेश। शहर में बुधवार को मौसम का मिजाज दोपहर में बदल गया। चटक धूप के बीच अचानक आसमान को काले बादलों ने घेर लिया, जिसके बाद बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। शाम तक रुक–रुक कर बारिश का दौर जारी रहा। बदले मौसम का लुत्फ उठाने के लिए पर्यटक स्थलों पर भी लोगों की भीड़भाड़ अधिक नजर आई। बुधवार सुबह हर दिन तरफ तेज ने लोगों को भीषण गर्मी का अहसास कराया, जिससे बेहाल स्थानीय लोगों को दोपहर में एकाएक हुई बारिश ने राहत दी। आसमान से राहत के रूप में बरसी बारिश से सड़कों के किनारों पर जल जमाव की समस्या भी पैदा हुई, जिससे पैदल गुजरने वाले लोगों को दो–चार होना पड़ा। हालांकि, बारिश से मौसम में आई ठंडक से लोगों के चेहरे खिले नजर आए। बाजार में भी शाम को चहल–पहल अधिक रही। वहीं, नगर क्षेत्र के पर्यटक स्थलों पर देश–दुनिया से पहुंचे सैलानियों ने खुशनुमा मौसम का जमकर लुत्फ उठाया। बुधवार को अधिकतम 31 और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि, बारिश के बीच दिन में तापमान 28 से 29 डिग्री तक भी पहुंचा। उधर, बारिश सिर्फ शहर ही नहीं, ग्रामीण इलाकों तक भी पहुंची, जिससे ग्रामीणों को भी गर्मी से राहत मिली।

योग दिवस की तैयारियों को लेकर जखोली में हुआ कार्यक्रम

रुद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक में 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियों को लेकर ब्लॉक स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य आम जन को योग के प्रति जागरूक करने के साथ ही स्वस्थ्य जीवन शैली को बढ़ावा देना था। योग अनुदेशक विजय राणा व मनीषा भट्ट द्वारा प्रातः 7 बजे से विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियां सिखाई गई। प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर योग को जीवन में अपनाने का संकल्प किया। इस मौके पर जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ रघुवीर सिंह ने कहा कि योग हमारे ऋषि मुनियों की अमूल्य देन है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य निरुपम चकमा ने एफआरआई देहरादून का दौरा किया

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून को 28 मई, 2025 को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) के एक प्रतिष्ठित सदस्य निरुपम चकमा की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला। इस दौरे का उद्देश्य संस्थान के भीतर अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की समीक्षा करना था। बैठक की सह–अध्यक्षता एफआरआई के निदेशक ने की और इसमें एफआरआई और एनसीएसटी दोनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। एक व्यापक प्रस्तुति दी गई, जिसमें एफआरआई की संगठनात्मक संरचना पर प्रकाश डाला गया और संस्थान के भीतर एसटी कर्मचारियों की स्थिति और प्रतिनिधित्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।बैठक के बाद, एनसीएसटी सदस्य ने एफआरआई के निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एफआरआई परिसर में स्थित विभिन्न संग्रहालयों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने व्यापक विरासत संग्रह के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की, भारत की समृद्ध वानिकी विरासत को संरक्षित करने में उनके महत्व को स्वीकार किया।आयोग ने 'हर्बेरियम' और ज़ाइलेरियम का दौरा किया, जहाँ भारत की अद्भुत वनस्पति विविधता को भारत और दुनिया भर के जंगली पेड़ों और पौधों के अद्भुत हर्बेरियम संग्रह के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिसमें 3,50,000 नमूने शामिल हैं। आयोग को 'संजीवनी बूटी' के बारे में जानने में दिलचस्पी थी, और बुंदेलखंड क्षेत्र से एक नमूना उनके सामने प्रदर्शित किया गया। 'ज़ाइलेरियम' के दौरे के दौरान, भारत और 45 अन्य देशों की लकड़ी के 20,000 नमूने उन्हें दिखाए गए। भारत की सबसे महंगी लकड़ी प्रजातियों के साथ–साथ महत्वपूर्ण वाणिज्यिक लकड़ी के बारे में जानकारी आयोग के साथ साझा की गई, जिसमें लाल चंदन, चंदन, सागौन, साल, शीशम आदि शामिल हैं।

टंकण व्यवसाय को जुलाई से 6 माह का प्रशिक्षण

नई टिहरी। जिला सेवायोजन अधिकारी लक्ष्मी यादव ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय टिहरी गढ़वाल के अधीनस्थ संचालित शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र नई टिहरी में सत्र जुलाई से दिसम्बर, 2025 तक टंकण व्यवसाय को 6 माह का प्रशिक्षण दिया जाना है। इस पाठ्यक्रम में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान, कम्प्यूटर तथा प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं (ग्रुप सी) का भी निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाना है। टंकण व्यवसाय में अधिकतम 33 अभ्यर्थियों का चयन करना निर्धारित है। जिसके लिए इण्टरमीडिएट में अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना अत्यन्त आवश्यक है। प्रशिक्षण चाहने के इच्छुक अभ्यथी आगामी एक से दस जून, 2025 के मध्य किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में निःशुल्क प्रवेश–फार्म प्राप्त कर आवेदन कर सकते हैं।

हर नागरिक योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाए: कंडारी

श्रीनगर गढ़वाल। आयुष विभाग उत्तराखंड की ओर से बुधवार को राजकीय इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में लोगों को योग को दिनचर्या में लाने से होने वाले फायदों के बारे बताया गया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने योग की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और आत्मिक संतुलन की कला है। कहा कि यदि हर नागरिक योग को जीवनशैली का हिस्सा बना ले, तो न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य सुधरेगा, बल्कि एक सशक्त और सक्षम राष्ट्र का निर्माण संभव होगा। कार्यक्रम के नोडल वैद्य सुशान्त मिश्र ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल बीमारियों से बचा जा सकता है, बल्कि इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाले खर्च को भी घटाया जा सकता है। उन्होंने योग को राष्ट्र की उत्पादकता और हैप्पीनेस इंडेक्स से जोड़ते हुए कहा कि एक स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है। कार्यक्रम में चिकित्सकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास में भाग लिया। इस दौरान महिला योग अनुदेशकों सुनीता राणा व वंदना रतूड़ी ने प्रशिक्षुओं को सूक्ष्म व्यायाम, योगासन, योग निद्रा और ध्यान सहित आदि योग की मुद्राओं को बारे में बताया।

छात्र–छात्राओं को नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रेरित किया

नई टिहरी। श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल टिहरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई व एमएल) के अनुप्रयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एनके जोशी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। कुलपति प्रो जोशी ने अपने सम्बोधन में इस मौके पर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधुनिक युग की आवश्यक तकनीकें हैं, जो कि शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, कृषि और उद्योग जैसे अनेक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को नवाचार एवं अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीकी नवाचारों का युग है। एआई और एमएल अब केवल शोध या विज्ञान की अवधारणाएं नहीं रहीं, बल्कि ये हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही हैं। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट सिटी तक, हर जगह इन तकनीकों की उपयोगिता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। प्रो जोशी ने बताया कि वर्तमान में मशीन लर्निंग का प्रयोग कृषि में फसल पूर्वानुमान, स्वास्थ्य क्षेत्र में रोग पहचान और शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला छात्र–छात्राओं को नई सोच और दृष्टिकोण के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए ज्ञानवर्धक होती हैं। कार्यशाला में उत्तरांचल यूनिवर्सिटी से आये विशेषज्ञ वक्ता मोहित कुमार और एल्ड्रिन मेनन ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ मोहित कुमार ने स्मार्ट जीवन के लिए मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे मशीन लर्निंग के माध्यम से जीवन को अधिक सहज, सुरक्षित और कुशल बनाया जा सकता है। एआई विशेषज्ञ एल्ड्रिन मेनन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने एआई की मूल अवधारणाओं इसके ऐतिहासिक विकास और वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

परिवहन विभाग ने अभियान चला ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी

देहरादून। खतरनाक तरीके से ड्राइविंग और सफर करने वालों के खिलाफ परिवहन विभाग का अभियान जारी है। बुधवार को आरटीओ की टीमों ने कार से सन रूफ टॉप हटाकर खड़े होकर सफर करने वालों की काउंसलिंग की। भविष्य में दोबारा ऐसा करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। आरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. अनीता चमोला के निर्देश पर एआरटीओ प्रवर्तन पंकज श्रीवास्तव, परिवहन कर अधिकारी श्वेता रौथान, अनुराधा पंत और एमडी पपनोई ने राजपुर रोड, सहस्त्रधारा रोड, शौर्य स्थल चीड़ बाग, रिस्पना से टोल प्लाजा मार्ग, सूचना आयोग मार्ग पर अभियान चलाया। लोगों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। बताया कि सन रूफ वाले वाहनों में खड़ा होकर चलना नियमानुकूल नहीं है। पहले दिन ऐसे लोगों, उनके माता–पिता और अभिभावकों को नियमों की जानकारी दी गई।

छात्रवृत्ति घोटाले के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

देहरादून। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन(एनएसयूआई) कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक निदेशालय एमडीडीए कालोनी में प्रदर्शन किया। उन्होंने समाज कल्याण निदेशक के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देते हुए इस घोटोले की सीबीआई जांच की मांग की।

इस अवसर पर विकास नेगी ने कहा कि कुछ छात्रों के नाम पर फर्जी दस्तावेज़ प्रस्तुत कर अथवा बिना पात्रता के राशि प्राप्त की गई है, जिससे राज्य सरकार की योजनाओं की पारदर्शिता और ईमानदारी पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल वास्तविक पात्र छात्रों के अधिकारों का हनन करती हैं, बल्कि सरकारी धन का दुरुपयोग भी करती हैं। एनएसयूआई ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए सीबीआई जाँच के आदेश पारित करने की कृपा करें, ताकि दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जा सके एवं भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। एनएसयूआई ने जांच के घेरे में आई कॉलेज कि सूची सार्वजनिक करने कि भी मांग की है मांग पूरी ना होने पर एनएसयूआई उग्र–आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक प्रदीप तोमर ,प्रदेश महासचिव सुधांशु अग्रवाल,प्रदेश सचिव अमित जोशी, मुकेश बसेरा,शुभम रावत, हरीश जोशी, पुनीत राज, हर्ष राणा,अतुल पंवार,चितराज और आर्यन कुमार सहित कई छात्र उपस्थित थे।

एआई और एमएल का ज्ञान युवाओं को सफलता की नई दिशा देगा: कुलपति

ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन विवि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञों ने छात्रों को एआई बौर मशील लर्निंग संबंधित विभिन्न जानकारियां दी। बुधवार को श्रीदेव सुमन विवि में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. एनके जोशी ने किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधुनिक युग की आवश्यक तकनीकें हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, कृषि और उद्योग जैसे अनेक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही हैं। उन्होंने छात्र छात्राओं को नवाचार एवं अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हआज का युग तकनीकी नवाचारों का युग है। एआई और एमएल अब केवल शोध या विज्ञान की अवधारणाएँ नहीं रहीं, बल्कि ये हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही हैं। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट सिटी तक, हर जगह इन तकनीकों की उपयोगिता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। प्रो जोशी ने बताया कि वर्तमान में मशीन लर्निंग का प्रयोग कृषि में फसल पूर्वानुमान, स्वास्थ्य क्षेत्र में रोग पहचान, और शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला छात्र छात्राओं को नई सोच और दृष्टिकोण के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. गौरव वार्ष्णेय ने कार्यशाला के उद्देश्य, संरचना एवं विशेषज्ञों के योगदान के बारे में जानकारी दी। कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए ज्ञानवर्धक होती हैं और इन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करती हैं। मुख्य वित्त अधिकारी मनोज पाण्डेय ने विश्वविद्यालय की ओर से तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर चार दिवसीय प्रदर्शनी लगाई

देहरादून। अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर भाजपा मसूरी मंडल ने तिलक लाइब्रेरी सभागार में प्रदर्शनी लगाई। इसमें होल्कर के जीवन से जुड़े दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी ने किया। तिलक लाइब्रेरी में अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर यह प्रदर्शनी 31 मई तक रहेगी। इसमें मसूरी के विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राएं, आम नागरिक, पर्यटक उनके जीवन और देश के हित सहित महिला सशक्तिकरण में किए गये कार्यों से प्रेरणा ले सकेंगे। पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी ने उद्घाटन मौके पर कहा कि अहिल्याबाई होल्कर महिला सशक्तिकरण के साथ ही कुशल शासक और कुशल प्रशासक के साथ ही समाज सुधारक भी रही हैं। उन्होंने कहा कि आज समाज को उनसे सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिन महान हस्तियों ने देश के विकास के साथ ही समाज सुधार, महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य किए उनको याद किया जाना चाहिए ताकि उनके जीवन से प्रेरणा ली जा सके। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक जशोदा शर्मा, सह संयोजक कमला थपलियाल, भाजपा मंडल महामंत्री नरेंद्र मेलवान, संध्या ऐनी, अनीता सक्सेना, दर्शनी सेमवाल, उज्जवल नेगी, सुनीता डबराल समेत अन्य मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक